

गोवर्धन पर्व: प्रकृति से सह-अस्तित्व और समग्र विकास का उत्सव



डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री मंत्र शासन

आप सभी को दीपोत्सव, गोवर्धन पूजा और अन्नकूट उत्सव की शुभकामनाएं और बधाई...

दीपावली के उत्सव की श्रृंखला में आरोग्य, आर्थिक समृद्धि, परिवार एवं समाज समन्वय और पर्यावरण संरक्षण का संदेश है। दीपावली के अगले दिन होने वाला गोवर्धन पर्व प्रकृति, पर्वत और गो-वंश संरक्षण की भारतीय प्राचीन परंपरा का प्रतीक है। इस परंपरा का साक्षात

दर्शन हमें भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत को अपनी उंगली पर धारण करने से मिलता है। मानवता की रक्षा के इसी पावन स्मृति में गोवर्धन पूजन किया जाता है। इस पर्व में गो-धन के संवर्धन की प्रेरणा है जो भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पर्यावरण संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण है। इसमें भारतीय समाज की वह जीवनदृष्टि समाहित है, जिसमें प्रकृति, पशु, मनुष्य

और देवत्व का संतुलन देखने को मिलता है।

मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि हम प्रदेशभर में गोवर्धन पर्व का आयोजन कर रहे हैं। यह पर्व सभी जिलों में लोक अनुष्ठान और सांस्कृतिक परंपराओं के अनुसार मनाया जा रहा है। आयोजन में पशुपालन तथा दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में नवाचार करने वाले उद्यमियों को सम्मानित किया जायेगा। इस अवसर पर

पशुपालन, कृषि और सहकारिता विभाग की जन-कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी के साथ लोगों को जोड़ने और ग्रामीण आजीविका के लिए दुग्ध उत्पादन और वृंदावन ग्राम योजना के विस्तार की गतिविधियों का संचालन शुरू किया गया है।

हमारे पर्व-परंपराओं में प्रकृति से सह-अस्तित्व और समग्र विकास का भाव है। इसी कड़ी में गोवर्धन पर्व प्रकृति और प्राणियों

के बीच समन्वय और संरक्षण से जुड़ा है। इस दिन गोबर से पर्वत का प्रतीक बनाकर उसकी पूजा की जाती है। पर्वत का प्राकृतिक संतुलन में महत्वपूर्ण योगदान है। पर्वत जल संरक्षण, संवर्धन और ऋतुओं के संतुलन का समन्वय करते हैं। इससे नदी, तालाब तथा अन्य जलस्रोत सुरक्षित रहते हैं। गोवर्धन पूजन में पर्यावरण को सुरक्षित रखने का संकल्प भी है। हमारा ■ शेष पृष्ठ 6 पर

आज घर-घर जगमगाएंगे दिये दीपावली आज, शाम 5:46 बजे से प्रदोष काल

रायपुर/नवप्रदेश। कार्तिक अमावस्या को मनाया जाने वाला दीपावली का त्योहार इस बार 20 अक्टूबर को धूमधाम से मनाया जाएगा। दीपावली की रात को महानिशा कहा जाता है, जब मां लक्ष्मी पृथ्वी पर भ्रमण करती हैं और भक्तों को धन-धान्य का आशीर्वाद देती हैं। इस बार तारीख को लेकर असमंजस है, लेकिन ज्योतिषियों के अनुसार, 20 अक्टूबर को प्रदोष और निशीत काल होने के कारण यह तिथि दीपावली के लिए उचित है।

इस बार कार्तिक अमावस्या 20 और 21 अक्टूबर को पड़ रही है। 20 अक्टूबर को दोपहर 3:44 बजे अमावस्या शुरू होगी और 21 अक्टूबर को शाम 5:55 बजे समाप्त होगी। ज्योतिषियों के अनुसार, दीपावली के लिए प्रदोष और निशीत काल जरूरी है, इसलिए 20 अक्टूबर को ही दीपावली मनाया शुभ रहेगा।

दीपावली पूजा की विधि

- पूजा के लिए पूर्व या ईशान कोण में चौकी पर लाल/गुलाबी वस्त्र बिछाएं।
- भगवान गणेश और मां लक्ष्मी की मूर्ति स्थापित करें।
- गंगाजल छिड़कें, घी का दीपक जलाएं, फूल, फल, मिठाई और खील-बत्ताशे अर्पित करें।
- मंत्र जाप और आरती के बाद शंख ध्वनि करें।
- घर के मुख्य द्वार, नल, छत और उत्तर दिशा में दीपक



शुभ मुहूर्त और पूजा का समय

दीपावली पर लक्ष्मी-गणेश पूजा के लिए तीन शुभ मुहूर्त हैं:

- प्रदोष काल: शाम 5:46 से रात 8:18 तक।
- वृषभ काल: शाम 7:08 से रात 9:03 तक।
- सर्वांगतम मुहूर्त: शाम 7:08 से रात 8:18 तक (1 घंटा 11 मिनट)।
- इस दौरान पूजा करने से मां लक्ष्मी और गणेश जी का आशीर्वाद प्राप्त होगा।

जलाएं।

- लाल या पीले वस्त्र पहनें, काले-सफेद वस्त्रों से बचें।

दीपावली पर रखें ये सावधानियां

- मिट्टी के दीपक का उपयोग करें और मुख्य द्वार पर आम के पत्तों का वंदनवार लगाएं।
- सात्विक भोजन बनाएं और

आज बेबाक

पाकिस्तान ने भारत को चिट्ठाने के लिए अपनी मिसाइलों के नाम अफगानिस्तान के अक्राताओं के नाम पर रखे थे। जिन्होंने भारत पर हमला किया था और लुटा खसोटा था। अब उसी अफगानिस्तान ने पाकिस्तान की बंड बजाकर रख दी है। वहां की तालिबान सरकार भारत के साथ अपने संबंध सुधार रही है। नतीजतन पाकिस्तान में अब अफगानिस्तानी आक्रांता गजनवी और गौरी के नाम की मिसाइलों का नाम बदलने की कवायद हो रही है। हो सकता है अब उनकी जगह पाकिस्तानी मिसाइलों के नाम डोनाल्ड, ट्रंप और टैरिफ रख दिये जाएं ताकि भारत को फिर से चिट्ठाया जा सके।

दीपपर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

दीपावली पर्व पर सभी सुधि पाठकों, विज्ञापनदाताओं, शुभचिंतकों को राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक नवप्रदेश परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई।

—संपादक नवप्रदेश

अवकाश की सृजना

दीपावली के अवसर पर राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक नवप्रदेश रायपुर सहित समस्त संस्करणों के कार्यालयों एवं प्रेस (मुद्रण संस्थान) में 20 अक्टूबर 2025 को अवकाश रहेगा।

—महाप्रबंधक नवप्रदेश

एनटीए ने घोषित की जेईई मेन की परीक्षा तिथियां पहला सत्र 21-30 जनवरी तक

नई दिल्ली (वार्ता)। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने जेईई मेन 2026 परीक्षा की तिथियां घोषित कर दी हैं। यह परीक्षा जनवरी और अप्रैल दोनों सत्रों में आयोजित की जाएगी। एनटीए के अनुसार, सत्र 1 की परीक्षा 21 से 30 जनवरी 2026 के बीच होगी और इसके लिए पंजीकरण प्रक्रिया अक्टूबर, 2025 से ही आधिकारिक वेबसाइट jeemain.nta.nic.in पर शुरू होगी।

उम्मीदवारों के लिए सुविधा: राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी ने जेईई (मेन) 2026 में अधिक उम्मीदवारों को शामिल करने के लिए कई कदम उठाए हैं। इसके तहत परीक्षा केंद्रों की संख्या बढ़ाई जा रही है ताकि उम्मीदवारों को ज्यादा दूर न जाना पड़े। साथ ही, दिव्यांग उम्मीदवारों की विशेष जरूरतों का भी ध्यान रखा जा रहा है, ताकि सभी आसानी से परीक्षा दे सकें।

आवेदन में आधार और नाम संबंधी देखें निर्देश : एनटीए, आधार प्रमाणिकरण के जरिए यूआईडीएआई से उम्मीदवार का नाम, जन्मतिथि, लिंग, फोटो और पता प्राप्त करेगा।

प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक विरासत को सुरक्षित रखते हुए होगा चित्रकूट का विकास : सीएम यादव

मुख्यमंत्री ने चित्रकूट के विकास के संबंध में संतो तथा प्रबुद्धजन से किया संवाद

चित्रकूट में 2800 करोड़ रुपए के निर्माण कार्य अगले वर्ष अप्रैल तक हो जाएंगे पूरे

संतों प्रबुद्ध जनों और आमजनों के सुझावों के आधार पर होगा चित्रकूट का विकास



भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि चित्रकूट के प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक विरासत को सुरक्षित रखते हुए इसका विकास किया जाएगा। चित्रकूट में बड़े निर्माण कार्यों की आवश्यकता नहीं है। मंदाकिनी नदी स्वच्छ और सदातीरा बनी रहे, भगवान कायतानाथ के सुगमता से दर्शन हो सके और भक्तों को सरलता से भोजन प्रसाद मिल सके ऐसे विकास के कार्य तेजी से पूरे किये जायेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को चित्रकूट में आरोग्यम में प्रबुद्धजन से चित्रकूट के विकास पर चर्चा के

श्रीराम की तपोभूमि चित्रकूट को धार्मिक पर्यटन और ग्रामीण पर्यटन का केंद्र बनायेंगे। चित्रकूट में सड़क चौड़ीकरण, परिक्रमा पथ के सौंदर्यीकरण और धार्मिक स्थलों के विकास के कार्य तेजी से पूरे किये जायेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को चित्रकूट में आरोग्यम में प्रबुद्धजन से चित्रकूट के विकास पर चर्चा के

दौरान यह बात कही।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चित्रकूट में विकास के लिए 163 स्थानों पर लोगों ने स्वेच्छ से अपने भवन तोड़कर जमीन उपलब्ध कराई हैं। यह बहुत सराहनीय पहल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहे हैं। चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय तथा

सीईसी ने बिहार विस चुनाव और 8 सीटों पर उपचुनाव के लिए पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की

नई दिल्ली (आईएनएस)। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने बिहार विधानसभा चुनाव और 8 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में हो रहे उपचुनावों के लिए पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है। आयोग ने यह सुनिश्चित करने के लिए पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है कि चुनाव प्रक्रिया स्वतंत्र और निष्पक्ष हो, और सभी राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के लिए समान अवसर सुनिश्चित किए जाएं। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए आयोग ने संविधान के अनुच्छेद 324 और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 20बी के तहत प्राप्त पूर्ण अधिकारों का उपयोग करते हुए केंद्रीय पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है। आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए पहले चरण में 121 सामान्य पर्यवेक्षक और 18 पुलिस पर्यवेक्षक, जबकि दूसरे चरण में 122 सामान्य पर्यवेक्षक और 20 पुलिस पर्यवेक्षक



तैनात किए हैं। इसके अलावा, 8 विधानसभा क्षेत्रों में हो रहे उपचुनावों के लिए 8 सामान्य और 8 पुलिस पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई है। सभी पर्यवेक्षक अपने-अपने आवंटित क्षेत्रों का पहला दौर पूरा कर चुके हैं और अब वे संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में स्थायी रूप से तैनात हैं। निर्वाचन आयोग ने पर्यवेक्षकों को पूरे चुनावी प्रक्रिया की बारिकी से निगरानी करने और पाठदर्शी, स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। पर्यवेक्षकों को सभी राजनीतिक दलों, उम्मीदवारों और ■ शेष पृष्ठ 6 पर

प्रदेश सरकार किसानों के जीवन को बेहतर करने के लिए कर रही है लगातार कार्य : सीएम यादव

आगर-मालवा एवं उज्जैन जिले के किसानों के लिए 403 करोड़ रुपये की राहत राशि की अंतरित

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना एवं अन्य 29 लाख बहनों को 45 करोड़ रुपए सहायता राशि का वितरण

31 करोड़ के 30 विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजा

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार किसानों, गरीबों, युवाओं, महिलाओं सहित सभी के कल्याण के लिए लगातार



कार्य कर रही हैं। प्रदेश सरकार किसान हितैषी सरकार है। किसानों की जिंदगी बेहतर हो, इसके लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अतिवृष्टि से किसानों को हुए नुकसान की क्षतिपूर्ति के लिये प्रदेश में अबतक 1800 करोड़

रुपये की राहत राशि वितरित की जा चुकी हैं। किसानों की फसलों को किसी भी कारण से क्षति होने पर सहायता दी जायेगी। किसान खून-पसीना एक कर कड़ी मेहनत से फसलें पैदा करता है। यदि प्राकृतिक कारणों से फसलों को क्षति होती है तो हमारा दायित्व है

हम उनकी मदद करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को उज्जैन जिले की तरावा तहसील में आयोजित राहत राशि वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अतिवृष्टि से हुई फसल क्षति के लिए आगर-मालवा जिले के किसानों के लिए 138 करोड़ रुपये एवं उज्जैन जिले के किसानों के लिए 265 करोड़ रुपए इस प्रकार कुल 403 करोड़ रुपये की राहत राशि तथा प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना की हितग्राहियों सहित गैर उज्ज्वला, विशेष पिछड़ी जनजाति की प्रदेश की कुल 29 लाख बहनों को 45 करोड़ रुपए की सहायता राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रदान की। ■ शेष पृष्ठ 6 पर

गरमा - गरम



बेहतर प्रदर्शन

17 अक्टूबर तक इक्विटी में 6,480 करोड़ रुपए का निवेश किया गया

शेयर बाजार में तेजी का असर, एफपीआई निवेश 6,000 करोड़

मुंबई (आईएनएस)। भारतीय शेयर बाजार में जारी तेजी अक्टूबर में विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने में कामयाब रही है। इस महीने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इक्विटी में 6,000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) की ओर से जारी किए गए आंकड़ों में बताया गया कि एफपीआई द्वारा 17 अक्टूबर तक इक्विटी में 6,480 करोड़ रुपए का निवेश किया गया है। इससे पहले विदेशी निवेशक लगातार तीन महीने शुद्ध विक्रेता थे। एफपीआई ने इक्विटी में सितंबर में 23,885 करोड़ रुपए, अगस्त में 34,993 करोड़ रुपए और जुलाई में 17,741 करोड़ रुपए की बिकवाली की थी।

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार डॉ. वीके



विजयकुमार ने कहा, एफआईआई रणनीति में इस बदलाव का मुख्य कारण भारत और अन्य बाजारों के बीच मूल्योंकन के अंतर में कमी है। पिछले एक साल में भारत के कमजोर प्रदर्शन ने आगे चलकर बेहतर प्रदर्शन की संभावनाओं को खोल दिया है।

बीता हफ्ता भारतीय शेयर बाजार के लिए काफी अच्छा रहा और यह 52 हफ्तों के उच्चतम स्तर पर बंद हुआ। इस दौरान निफ्टी 424 अंक या 1.68 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,709.85 और सेंसेक्स 1,451.37 अंक या 1.76 प्रतिशत की मजबूती के साथ 83,952.19 पर था।

खुदरा महंगाई दर में अक्टूबर में आ सकती है बड़ी गिरावट

भारत की खुदरा मुद्रास्फीति में उच्च आधार प्रभाव, खाद्य उत्पादों की कीमतों में कमी और हाल ही में हुए जीएसटी सुधारों के कारण अक्टूबर में और गिरावट आने की उम्मीद है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई। यूनिनय बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में कहा गया कि आने वाले महीनों में मुद्रास्फीति का दबाव धीरे-धीरे हो बढ़ेगा। बैंक ने कहा कि अक्टूबर के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) मुद्रास्फीति के लिए उसका अनुमान 0.50 प्रतिशत से नीचे है। बैंक को उम्मीद है कि खाद्य मुद्रास्फीति में तेजी से गिरावट आएगी और सर्दियों के महीनों के ■ शेष पृष्ठ 6 पर

जगदलपुर: विशाखापट्टनम रेल मार्ग पर टला बड़ा हादसा

ट्रेक पर गिरा विशाल पत्थर, डिरेल हुई ट्रेन

जगदलपुर/नवप्रदेश। जगदलपुर से विशाखापट्टनम जाने वाला रेल मार्ग अवरुद्ध हो गया है। सुबह करीब 3 बजे एक बड़ा सा पत्थर रेलवे ट्रैक के ऊपर आ गिरा, इस घटना से मालगाड़ी से लेकर यात्री ट्रेन दोनों को रोक दिया गया, जिसकी वजह से यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। घटना की जानकारी लगते ही अधिकारी मौके पर पहुंचे और पत्थर को हटाने का काम शुरू किया गया। जानकारी के मुताबिक, आज सुबह केके रेल लाइन पर सुबह एक बड़ा पत्थर आ गिरा। बताया जा रहा है ट्रेन जैसे ही टायडा और



चिमडीपल्ली के नजदीक पहुंची कि एक पत्थर ऊपर से सीधा ट्रैक पर गिरा, इस दौरान ट्रेन बेपटरी हो गई। घटना की जानकारी लगते ही देर रात टीम मौके पर पहुंची। पहले पत्थर को हटाया जा रहा है, उसके बाद डिरेल हुई ट्रेन को ट्रैक पर लाया जाएगा। बताया जा रहा है सिंगल लाइन होने की वजह से दूसरी ट्रेन को आने के लिए जगह नहीं मिल पा रही है। जिसकी ■ शेष पृष्ठ 6 पर

■

न्यूज गैलरी

होटल-रिसार्ट के वाहनों से भी हो सकेगी जंगल सफारी : वन विभाग ने बदले नियम

टाइगर सफारी, अभ्यारण्य में टिकट व्यवस्था में भी हुआ बदलाव

भोपाल/नवप्रदेश। प्रदेश में टाइगर रिजर्व, नेशनल पार्क और अभ्यारण्य के आस-पास संचालित होटल और रिसॉर्ट संचालक भी अब अपने वाहनों से अपने यहां रुकने वाले पर्यटकों को जंगल सफारी करा सकेंगे। इसके लिए उन्हें पर्यटकों के एंटी टिकट लेना होंगे और जंगल सफारी के लिए वन विभाग द्वारा अधिकृत निजी वाहनों को तय सफारी शुल्क के 70 प्रतिशत बराबर की राशि जमा करनी होगी। साथ ही उन्हें दस हजार रुपए देकर जंगल सफारी वाले वाहन को गैर रोस्टर रजिस्टर में पंजीयन भी कराना होगा।

दो कैटेगरी में होगी व्यवस्था

प्रदेश में टाइगर रिजर्व और वन्य जीव अभ्यारण्य में पर्यटन के लिए जाने वाले लोग अब वन विभाग की जिप्सी के अलावा स्थानीय होटल संचालकों के वाहनों से भी सफारी का आनंद ले सकेंगे। वन विभाग ने इसको लेकर नियमों में संशोधन कर दिया है। इसके लिए वन विभाग के नियम 34 के उपनियम 7 (3) को विलोपित करते हुए अब संशोधित उपनियम 7 (3) में रजिस्टर्ड वाहनों की दो कैटेगरी तय कर दी गई है। पहली कैटेगरी के वाहन रोस्टर सिस्टम से चलेंगे। रोस्टर सिस्टम संरक्षित क्षेत्र के सक्षम अधिकारी के यहां रजिस्टर्ड पर्यटक वाहन संस्था द्वारा संरक्षित क्षेत्र की स्थानीय परिस्थितियों पर आधारित प्रबंधन द्वारा संचालित होंगे। दूसरी कैटेगरी के वाहन रोस्टर में नहीं रहेंगे। ऐसे वाहन स्थानीय होटल के होंगे और केवल अपने निवासी पर्यटक को लेकर ये वाहन संरक्षित क्षेत्र में प्रवेश कर सकेंगे। इसमें यह व्यवस्था की गई है कि जब दूसरी कैटेगरी वाले ये वाहन संरक्षित वन क्षेत्र में प्रवेश करेंगे तो रोस्टर में आने वाले वाहन को नियम 34 के उपनियम 7 (6) के अनुसार क्षतिपूर्ति प्रदान करेंगे। दोनों ही कैटेगरी के लिए रजिस्टर्ड वाहनों में रोस्टर और गैर रोस्टर साफ तौर पर लिखा जाएगा।

होटल के वाहनों के 10 हजार पंजीयन शुल्क

वन विभाग ने दोनों ही कैटेगरी के वाहनों के लिए पंजीयन शुल्क भी तय कर दिया है। पहली कैटेगरी वाले वाहनों के लिए नियम 34 के उपनियम 7 (8) में बदलाव करते हुए अब इस उपनियम में यह व्यवस्था की गई है कि पहली कैटेगरी यानी रोस्टर वाले वाहनों के लिए पंजीयन शुल्क 2000 रुपए और दूसरी कैटेगरी यानी होटल से आने वाले और गैर रोस्टर वाले वाहनों के लिए पंजीयन शुल्क 10 हजार रुपए प्रति वाहन होगा। यह राशि संरक्षित वन क्षेत्र की पार्क विकास निधि में जमा किया जाएगा। नियमों में यह बदलाव 14 अक्टूबर से लागू कर दिए गए हैं।

जंगल सफाई के लिए टिकट की यह नई व्यवस्था
अब जंगल सफारी के लिए फील्ड डायरेक्टर के 10ब कोटा के अलावा 90ब टिकट दिए जाने को लेकर भी नियम बदले गए हैं।

इसमें 70ब टिकट ऑनलाइन दिए जाने का प्रावधान किया गया है जिसमें पूरा सफारी वाहन बुक कराना होगा। 10ब एंटी टिकट उन लोगों के लिए होंगे जो पूरा सफारी वाहन न बुक कराकर सिर्फ सिंगल सीट लेना चाहते हैं।

शेष 10ब सिंगल सीट सफारी के एक दिन पहले दोपहर दो बजे तक ऑनलाइन उपलब्ध रहेंगी।

उधर एक अन्य नोटिफिकेशन में वन्य प्राणी पर्यटन क्षेत्रों की कैटेगरी से माधव टाइगर रिजर्व, रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व और पद्मश्री डॉ विष्णु श्रीधर वाकणकर टाइगर रिजर्व रातापानी के कोर क्षेत्र के लिए प्रवेश शुल्क तय कर दिया गया है। यह पहले से घोषित टाइगर रिजर्व का आधा होगा।

दीपावली पर रेलवे की विशेष तैयारी

भोपाल मंडल में सोमवार को सभी आरक्षण केंद्र सुबह 8 से दोपहर 2 बजे तक खुलेंगे

भोपाल/नवप्रदेश। दीपावली और लक्ष्मी पूजा के अवसर पर रेलवे ने यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए भोपाल मंडल के सभी आरक्षण केंद्रों (पीआरएस) के समय में बदलाव किया है। मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (सीनियर डीसीएम) सौरभ कटारिया ने बताया कि सोमवार (20 अक्टूबर) को सभी आरक्षण केंद्र रविवार की भांति संचालित होंगे। यानी इनका समय सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक रहेगा। वहीं, अनारक्षित टिकट काउंटर पूर्व की तरह नियमित रूप से कार्यरत रहेंगे।

कटारिया ने बताया कि दीपावली की भीड़ को देखते हुए यात्रियों को घर बैठे टिकट बुक करने की सुविधा देने के लिए रेलवे और आईआरसीटीसी की अधिकृत वेबसाइट और मोबाइल एप पर आरक्षण सेवा 24 घंटे चालू रहेगी।

दीपावली और छठ पूजा पर यात्रियों की अत्यधिक भीड़ को देखते हुए मंडल रेल प्रबंधक पंकज त्यागी के निर्देशन पर रेलवे ने टिकटिंग व्यवस्था को और सशक्त किया है। भोपाल, इटारसी, बीना सहित मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर कुल 60 से अधिक टिकट जांचकर्मियों की विशेष ड्यूटी लगाई गई है। मंडल के 88 रेलवे स्टेशनों पर 57 अनारक्षित टिकट विंडो, 21 संयुक्त (अनारक्षित-कम-आरक्षित) टिकट विंडो, 25 जन साधारण टिकट बुकिंग सेवा केंद्र, 47 ऑटोमैटिक टिकट वेंडिंग मशीन और 20 आरक्षित टिकट काउंटर संचालित हैं। यात्रियों को सहज और त्वरित कार्रवाई सेवा देने के लिए इन सभी केंद्रों को अलर्ट मोड पर रखा गया है।

प्रदेश की सांस्कृतिक, धार्मिक, सामाजिक विरासत को सहेजने के भाव से मनाएं आगामी त्यौहार : सीएम यादव

सांसद, विधायक, सहित सभी जिलों के कलेक्टर-पुलिस अधीक्षक-नगरीय निकायों के पदाधिकारी और अधिकारी वीसी में हुए शामिल

गोवर्धन पूजा का आयोजन किया जाए धूमधाम से

आत्मनिर्भर भारत और जीएसटी उत्सव का सभी विधानसभा क्षेत्रों में हो आयोजन

दीपावली पर स्वदेशी वस्तुओं के क्रय-विक्रय को करें प्रोत्साहित

सभी जिलों में सामाजिक समरसता पर हों कार्यक्रम

दीपावली पर वृद्धाश्रम, गरीब बस्तियों और अनाथ आश्रमों में साझा की जाएं खुशियां

कलेक्टर, संवेदनशील घटनाओं और खबरों पर तत्काल लें संज्ञान

सभी ओर हो पुलिस की उपस्थिति - जनसामान्य करें सुरक्षा की भावना महसूस

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आगामी त्यौहारों के संबंध में वर्तुअल कॉन्फेंस से किया संबोधित

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश की



सांस्कृतिक, धार्मिक, सामाजिक विरासत को सहेजने के लिए आगामी 21 और 22 अक्टूबर को प्रदेश के सभी जिलों के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों और गौशालाओं में गोवर्धन पूजा का आयोजन धूमधाम से किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के दुग्ध उत्पादन को 20ब तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। इस अवसर पर प्राकृतिक खेती और पशुपालन को प्रोत्साहित करने के

लिए गतिविधियों का संचालन किया जाए। इन आयोजनों में मंत्री, सांसद, विधायक, नगरीय निकायों के पदाधिकारी, पंचायत प्रतिनिधियों सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि शामिल हों। स्थानीय स्तर पर सक्रिय सांस्कृतिक मंडलों को सम्मिलित करते हुए कार्यक्रमों को उत्सव के रूप में मनाया जाए। पशुपालन विभाग इन आयोजनों के लिए नोडल विभाग रहेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आगामी त्यौहारों के संबंध में रविवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन से सांसद, विधायक, सहित सभी जिलों के कलेक्टर-पुलिस अधीक्षक-नगरीय निकायों के पदाधिकारी और अधिकारियों को वीसी के माध्यम से संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वदेशी दीपावली मनाते हुए आत्मनिर्भर भारत के भाव को सशक्त करने के उद्देश्य से त्यौहारों में स्वदेशी वस्तुओं के क्रय विक्रय को प्रोत्साहित किया जाए। आत्मनिर्भर भारत और जीएसटी उत्सव के कार्यक्रम आगामी 25 दिसंबर तक जारी रहेंगे। सभी विधानसभा क्षेत्रों में प्रभारी मंत्रीजनप्रतिनिधि और कलेक्टर परस्पर समन्वय से तिथियां निर्धारित करते हुए आत्मनिर्भर भारत/जीएसटी उत्सव के कार्यक्रम आयोजित करें। इन आयोजनों में स्वदेशी वस्तुओं के प्रदर्शन एवं क्रय-विक्रय को बढ़ावा दिया जावे। मुख्यमंत्री

डॉ. यादव ने कहा कि प्रत्येक जिले में सामाजिक समरसता के आयोजन सम्पन्न किए जायें। इन आयोजनों में सामाजिक चेतनाशील प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाए और सामाजिक समरसता की दिशा में सकारात्मक वातावरण बनाने के लिए विचार-विमर्श भी हों।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दिवाली पर्व हम सबके लिए है। उन्होंने

जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से आह्वान किया कि वे दीपावली पर वृद्धाश्रम, गरीब बस्तियों और अनाथ आश्रम जाकर उनके साथ दिवाली मनाएं। दिवाली के दूसरे दिन मजदूर मैदान, मजदूर हाट में जाकर श्रमिकों के साथ दिवाली की खुशियां साझा की जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि कलेक्टरों द्वारा संवेदनशील घटनाओं और खबरों पर तत्काल संज्ञान लिया जाए। कलेक्टरों की यह जिम्मेदारी है कि वे ऐसी घटनाओं और समाचारों के संबंध में प्रभारी मंत्री, स्थानीय सांसद तथा विधायकगण को वस्तुस्थिति से तत्काल अवगत करावें, उनके द्वारा आवश्यकतानुसार मौका स्थल का भ्रमण भी किया जाए। जिला कलेक्टर ऐसी सूचनाओं और खबरों पर तत्काल फैक्ट चेक और आवश्यकता हो तो खंडन जारी करें। प्रभारी मंत्री, विभागीय मंत्री, सांसद, विधायक भी भ्रामक और समाज में सद्भावना बिगाड़ने वाली खबरों के संबंध में सही स्थिति रखें। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि पुलिस आवश्यक रूप से घनी बस्ती और चौराहों पर रहे, पुलिस बल भी इलाके में घूमें, पुलिस की उपस्थिति जनता के बीच दिखना चाहिए, जिससे जनता में सुरक्षा की भावना महसूस हो। विधायक एवं प्रदेशाध्यक्ष श्री हेमंत खण्डेलवाल, संगठन मंत्री श्री हितानंद शर्मा और विधायक श्री भगवानदास सबनानी ने भी अपने विचार रखे।

त्यौहारों पर सुरक्षा को लेकर सभी जिलों में अलर्ट

लव जिहाद पर साध्वी प्रज्ञा बोली- हमारी लड़की बात ना माने तो टांग तोड़ दो

डीजीपी मकवाना ने दिए सख्त निगरानी के निर्देश

भोपाल/नवप्रदेश। दीपावली त्यौहार में सुरक्षा को लेकर डीजीपी कैलाश मकवाना ने सभी जिलों के एसपी को अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं। डीजीपी ने भीड़भाड़ वाले इलाकों और पटाखों दुकानों पर सभी सुरक्षा मानकों और नियमों का कड़ाई से पालना करना सुनिश्चित कराने को भी कहा है। दीपावली और आगामी त्यौहारों के दौरान कानून व्यवस्था और जनसुरक्षा बनाए रखने के लिए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कैलाश मकवाना ने प्रदेश के सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों (एसपी) को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। डीजीपी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों से कहा कि बाजारों, पूजा स्थलों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में सुरक्षा प्रबंधन को मजबूत किया जाए ताकि किसी प्रकार की अग्रिय घटना न हो। डीजीपी मकवाना ने कहा कि



दीपावली का पांच दिवसीय पर्व, जो 18 अक्टूबर से प्रारंभ हुआ है, के दौरान महिलाएं और बच्चे बड़ी संख्या में बाजारों में खरीदारी के लिए निकलते हैं, ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रहनी चाहिए। उन्होंने सभी जिलों के एसपी को अपने-अपने जिलों में बीट सिस्टम और सामुदायिक पुलिसिंग को सशक्त करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही अवैध पटाखा बिक्री पर तत्काल कार्रवाई करने को कहा गया है। डीजीपी ने यह भी स्पष्ट किया कि जिन व्यापारियों के पास वैध लाइसेंस है, उन्हें सभी सुरक्षा मानकों और नियमों का कड़ाई से पालन करना होगा।

कांग्रेस नेता ने कसा तंज

भोपाल/नवप्रदेश। लव जिहाद पर दिए गए बयान के बाद भाजपा नेता और पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर एक बार फिर सुर्खियों में आ गई हैं। उन्होंने हाल ही में एक कार्यक्रम में कहा कि अगर कोई लड़की परिवार की बात नहीं मानती और किसी -विधर्मी- के संपर्क में जाने की कोशिश करती है, तो उससे सख्ती बरतने में हिचकिचाना नहीं चाहिए। साध्वी प्रज्ञा ने अपने संबोधन में कहा कि क्योंकि जो संस्कारों से नहीं मानती है, जो बातों से नहीं मानती उसे ताड़ना देनी पड़ती है। अपनी सनतान है, उसे मारना पीटना पड़े तो उसमें पीछे मत हटिए, क्यों माता-पिता जब प्रताड़ना देते है तो बच्चे के अच्छे भविष्य के लिए देते है। उनको टुकड़ों में कटने पीटने के लिए नहीं देते। ठाकुर वीडियो में



कह रही है कि जब घर में एक बिटिया जन्म लेती है तो माताएं कहती है कि हमारे घर में लक्ष्मी आई हैं, हमारे घर में सरस्वती आई हैं, सभी लोग बधाई देते हैं, लेकिन जब बड़ी होती है तो मियाइन बनने के लिए चल देती है। ऐसी बच्ची जो हट्टी है और संस्कारों को नहीं मानती है। माता-पिता की बात नहीं मानती, बढ़ो की इज्जत नहीं करती और घर से भागने को तैयार है। उनके लिए संतर्क रहे और

साध्वी प्रज्ञा के बयान का जिक्र करते हुए लिखा कि भोपाल की पूर्व विवादास्पद सांसद @sadhvipragyag दीप पर्व की पूर्व संस्था पर हिंदू समाज से अपील कर रही हैं। उन्होंने कहा कि यदि बेटीयां किसी विधर्मी (मुस्लिम) से शादी करने का प्रयास करें, तो पहले समझाएं, यदि न माने तो उसकी टांगें तोड़ दें। नेता ने आगे तंज कसते हुए पूछा कि -प्रज्ञा जी, क्या आप लालकृष्ण आडवाणी, मुस्ली मनोहर जोशी, संघ से जुड़े रामलाल की भतीजियों, सुब्रमण्यम स्वामी की बेटी और शाह नवाज हुसैन की पत्नी सहित दर्जनों भाजपा नेताओं के परिजनों की टांगें तोड़ने जाएंगी? ये सभी आपके अनुसार विधर्मियों या उनके परिजनों से विवाह कर चुके हैं।- उन्होंने भोपाल में हाल ही में सामने आए लव जिहाद और हिंदू

प्रभारी उपायुक्त आबकारी उड़नदस्ता आलोक खरे सरस्पेंड

लोकायुक्त पुलिस ने जब्त की थी करोड़ों की संपत्ति, चालान पेश करने पर हुआ एक्शन

भोपाल/नवप्रदेश। राज्य शासन ने प्रभारी उपायुक्त संभागीय उड़नदस्ता रीवा आलोक खरे को सरस्पेंड कर दिया है। लोकायुक्त पुलिस द्वारा खरे के विरुद्ध की गई छापेमारी में करोड़ों की संपत्ति जब्त की गई थी। लोकायुक्त पुलिस ने आबकारी विभाग द्वारा दी गई अभियोजन की स्वीकृति के बाद इसी माह खरे के खिलाफ कोर्ट में चालान पेश कर दिया गया है। इसके चलते शासन ने यह कार्रवाई की है। वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा शनिवार को अवकाश के बावजूद खरे के सरस्पेंशन आदेश जारी किया गया है। इसमें कनाम दिया है कि तत्कालीन सहायक आबकारी आयुक्त इंदौर आलोक खरे जो वर्तमान में प्रभारी उपायुक्त संभागीय उड़नदस्ता रीवा पदस्थ हैं, इनके विरुद्ध लोकायुक्त पुलिस भोपाल द्वारा अनुपातहीन संपत्ति अर्जित किए जाने के मामले में अपराध क्रमांक 238/2019 दर्ज किया गया है। खरे के विरुद्ध वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा 4 अप्रैल 2025 को जारी अभियोजन स्वीकृति के बाद विशेष न्यायालय में 8 अक्टूबर को चालान पेश किया गया है। इसके चलते आलोक खरे को सरस्पेंड कर

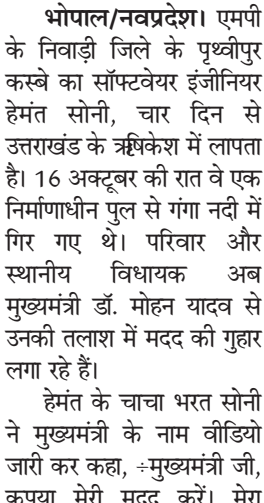
दिया गया है। निलंबन अवधि में खरे का मुख्यालय अपर आबकारी आयुक्त राज्य स्तरीय उड़नदस्ता भोपाल तय किया गया है।

100 करोड़ से अधिक की संपत्ति हुई थी जब्त

6 साल पहले सहायक आबकारी आयुक्त इंदौर के पद पर पदस्थ रहे आलोक कुमार खरे के 7 ठिकानों पर लोकायुक्त पुलिस ने छापेमारी की थी। इनमें भोपाल में दो, इंदौर में दो, रायसेन में दो और छतरपुर में एक जगह एक साथ कार्रवाई हुई थी। प्रारंभिक जांच में ही करीब 100 करोड़ से अधिक की संपत्ति का खुलासा हुआ था। खरे का इंदौर के पंश इलाके में एक पैट हाउस और एक बंगले का पता चला। यहां से तीन किलो सोना मिला। भोपाल के चूनाभट्टी और बाग मुगालिया में दो बड़े बंगले और कोलार में फॉर्म हाउस की जमीन पता चली थी। रायसेन में दो फॉर्म हाउस का भी खुलासा हुआ।

एक दर्जन से अधिक लगजरी गाड़ियां मिली थीं और इंदौर के बंगले से 10 लाख रुपए और रायसेन के फॉर्म हाउस से पांच लाख रुपए कैश मिले। खरे ने दिखा रखा था कि उनकी पत्नी रायसेन में फलों की खेती करती हैं और वे पत्नी के नाम से ही इनकम टैक्स रिटर्न फाइल कर रहे थे।

दोस्तों के साथ ऋषिकेश गया था, 4 दिन से लापता; परिजन ने लगाई सीएम से गुहार



भोपाल/नवप्रदेश। एमपी के निवाड़ी जिले के पृथ्वीपुर कस्बे का सॉफ्टवेयर इंजीनियर हेमंत सोनी, चार दिन से उत्तराखंड के ऋषिकेश में लापता है। 16 अक्टूबर की रात वे एक निर्माणाधीन पुल से गंगा नदी में गिर गए थे। परिवार और स्थानीय विधायक अब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से उनकी तलाश में मदद की गुहार लगा रहे हैं।

हेमंत के चाचा भरत सोनी ने मुख्यमंत्री के नाम वीडियो जारी कर कहा, +मुख्यमंत्री जी, कृपया मेरी मदद करें। मेरा भतीजा 16 तारीख को ऋषिकेश गया था। रात में बजरंग सेतु पुल से वह गंगा में गिर गया। चार दिन हो गए हैं, लेकिन अब तक कोई सुराग नहीं मिला।-

वह हमारे घर का इकलौता चिराग है।

दोस्तों और चचेरे भाई के साथ गया था ऋषिकेश

हेमंत के चचेरे भाई अमित सोनी ने बताया कि हेमंत अपने दोस्त अक्षय सेठ के साथ 14 अक्टूबर को पृथ्वीपुर से निकले थे। 15 अक्टूबर को वे दिल्ली पहुंचे, जहां से अमित भी उनके साथ हो लिया। तीनों हरिद्वार में

एक दिन रुकने के बाद 16 अक्टूबर की शाम ऋषिकेश पहुंचे।

रात करीब 9 बजे तीनों लक्ष्मण झूला के पास बजरंग सेतु पुल पर गए, जो निर्माणाधीन था। पुल पर कोई सुरक्षा गार्ड नहीं था, न ही किसी ने उन्हें रोका। घूमते समय हेमंत को एक कॉल आया, वे बात करते हुए थोड़ा आगे चले गए और कुछ देर बाद अचानक गिरने की आवाज आई।



सुविचार

इंसान घर बदलता है, दोस्त बदलता है, रिश्ते बदलता है फिर भी परेशान रहता है क्योंकि वह खुद को नहीं बदलता - अज्ञात

अंधियारा छटे उजियारा बगरे

पर्व प्रधान हमारे देश भारत में पांच दिवसीय दीपावली पर्व को महापर्व कहा जाता है। धनतेरस से शुरू होने वाले दीपोत्सव का समापन भाईदूज को होता है। भगवान श्रीराम जब चौदह साल का वनवास करने के बाद वापस लौटे थे तब अयोध्या नगरी में हर घर में घी के दीए जलाकर भगवान श्रीराम का वंदन किया गया था। उसी समय से हमारे देश में दीपावली पर्व धूमधाम से मनाने की परंपरा चली आ रही है। इस महापर्व को असत्य पर सत्य की जीत के रूप में भी देखा जाता है। दीपावली पर्व का संदेश है कि सब जगह से अंधियारा छटे और उजियारा बगरे। हम सब भी अपने जीवन में अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ते हैं। हमें माटी के उस नन्हें से दीपक से प्रेरणा लेनी चाहिए जो अपने आस पास के अधियारे को हरता है। जहां तक देश और दुनिया का प्रश्न है तो यह समय बेहद चुनौतीपूर्ण हो गया है। दुनिया में हथियारों की बढ़ती होड़ के चलते कई देशों के बीच जंग की नौबत आ गई है और इस जंग के कारण उन देशों में सुख शांति और समृद्धि की कल्पना भी नहीं की जा सकती। रही बात भारत की तो हमारे देश के सामने आजादी के सात दशकों के बाद भी अशिक्षा, गरीबी, महंगाई और बेरोजगारी जैसा अधियारा फैला हुआ है। जिसे दूर करके हर घर में विकास का उजियारा फैलाने की जरूरत बड़ी शिद्दत से महसूस की जा रही है। जब तक समाज के अंतिम छोर के व्यक्ति की कुटिया तक विकास का उजियारा नहीं पहुंचेगा तब तक प्रगति बेइमानी ही कही जाएगी। देश में विभिन्न समस्याओं रूपी अधियारे को दूर करने के लिए हमारी सरकार अपने स्तर पर प्रयास कर रही है जिसके सुखद परिणाम भी सामने आ रहे हैं। भारत एक कृषि प्रधान देश है और यहां की 70 प्रतिशत आबादी कृषि से जुड़ी हुई है। किसानों की दशा और कृषि की दिशा बदलने के लिए सरकार विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन कर रही है जिसके चलते आज हमारा देश कृषि के मामले में आत्मनिर्भर बन चुका है लेकिन किसानों की दशा में अभी भी अपेक्षित सुधार नहीं आया है। सरकार को अपने प्रयास और तेज करने होंगे। तभी सारी महंगाई और बेरोजगारी जैसा अधिव्यवस्था बनने में सफल होगी और भारत की प्रगति संतोषजनक है। आज भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुकी है और आने वाले कुछ वर्षों में ही भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। हमें आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि शीघ्र ही भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने में सफल होगी और भारत दुनिया में विश्व गुरू की भूमिका निभाने में भी कामयाब होगा। यह तभी संभव है जब प्रत्येक भारतवासी अपने देश के विकास और नवनिर्माण में सहभागी बने और भारत का विकासशील देशों की सूची से विकसित देशों की सूची में शामिल करने के लिए तन, मन, धन से जुट जाये। जब हम इस लक्ष्य को पूरा कर लेंगे तो हमारी आने वाली पीढ़ियां हमारे इस भागीस्थ प्रयासों से प्रेरणा लेंगी। दीपावली पर्व आत्मचिंतन का भी अवसर प्रदान करता है इस दिन हम सुख शांति और समृद्धि प्रदान करने वाली मां लक्ष्मी की पूजा अर्चना करते हैं और एक साल के भीतर हमारे क्या खोया और क्या पाया इस पर गहन चिंतन करते हैं ताकि अपने आने वाले कल को हम आज से भी बेहतर बना सकें। इसी तरह हमें अपने देश के प्रगति की भी समीक्षा करनी चाहिए और देश के विकास में हम क्या योगदान दे सकते हैं इस पर भी विचार करना चाहिए। सभी के समवेत प्रयासों से ही हमारा देश भारत प्रगति के पथ पर तेजी से अग्रसर होगा और हर घर परिवार में विकास का उजियारा फैलेगा। इसी मंगल कामना के साथ दैनिक नवप्रदेश परिवार की ओर से समस्त देशवासियों और पाठकों को दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकान्पा।

दीप पर्व पर हंस पड़ी दीपों की लड़ियां।

बार-बार जीवन में आये ये मंगलमय घड़ियां।।



सदगुरु बोधामृतम

❖ हर आदमी को अच्छा एक्टर होना चाहिए श्री की तरह। श्री कृष्ण हमारे आइडियल हैं और बेस्ट एक्टर हैं इस वर्ड के। आप भी एक्टिंग अच्छा करो, जब भी करो खूब प्रदर्न एक्टिंग करो हर मुश्किल में मुस्कुराने का।

❖स्वस्थिति से परिचय हो गया है अब परिस्थिति की चिंता क्यों करें?

❖ प्रकृति तुम्हें अधिकार नहीं दी दुखी होने का और तुम दुखी हो गए? मौज करिए, मौज में रहिए और मस्त रहिए और परिस्थिति के लिए बस यही सोचिए आई है तो जायेगी भी।

आज का इतिहास

नई दिल्ली(वार्ता)। भारतीय एवं विश्व इतिहास में 20 अक्टूबर की महत्वपूर्ण घटनाएं निम्न हैं:-
1568 : मुगल सम्राट अकबर ने चित्तौड़गढ़ पर हमला किया।
1740: मारिया थेरसा ऑस्ट्रिया, हंगरी और बोहेमिया के शासक बने।
1774: कलकत्ता (अब कोलकाता) भारत की राजधानी बना।
1880: एफसटर्डेम मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना हुई।
1904: चिली और बोलीविया ने शांति और मित्रता की संधि पर हस्ताक्षर किया।
1905: रूस में 11 दिन तक चली ऐतिहासिक हड़ताल की शुरुआत हुई।
1921 : फ़्रंस और तुर्की के बीच अंकार संधि पर हस्ताक्षर किए गए।
1946: वियतनाम की डेमोक्रेटिक रिपब्लिकन सरकार ने इस दिन को महिला दिवस के रूप में घोषित किया।
1947: अमेरिका और पाकिस्तान ने पहली बार राजनयिक संबंध स्थापित किए थे।
1962 : सीमा को लेकर चल रहे लंबे विवाद के बाद भारत और चीन के बीच युद्ध की शुरुआत।
1970: सैयद बर्रे ने सोमालिया को समाजवादी राज्य घोषित किया।
1973 : ऑस्ट्रेलिया के सिडनी ओपेरा हाउस को जनता के लिए खोला गया।

दीपों की पवित्र आभा से आलोकित वैश्विक दीपावली उत्सव



संजीव ठाकुर

संस्कृति, श्रद्धा, कृतज्ञता और सामाजिक एकता का जीवंत प्रतीक है। इन्हीं पर्वों में दीपावली का स्थान सर्वोच्च और सर्वप्रिय है। आज दीपावली की ज्योति केवल भारत के आँगन में ही नहीं, बल्कि विश्व के अनेक देशों में प्रचलित होती है। अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, फ़्रंस, स्विट्ज़रलैंड, चीन, जापान जैसे देशों में बसे भारतीय समुदाय इसे पूरे श्रद्धा, स्नेह और संस्कारों के साथ मनाते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने तो

व्हाइट हाउस के द्वार दीपावली पर्व के लिए विशेष रूप से जनता हेतु खोल दिए और यह कहा कि – “व्हाइट हाउस जनता का ही है, और दीपावली का यह उत्सव सबके लिए है।” ग्रेट ब्रिटेन में भी यह पर्व भारत की ही भाँति उत्सव, दीपमालाओं और पारंपरिक सज्जा के साथ मनाया जाता है।कार्तिक अमावस्या की रात को जब अनगिनत दीप अपने छोटे-से अस्तित्व से अंधकार को चुनौती देते हैं, तब वह अमावस्या मानो शरद पूर्णिमा में रूपांतरित हो जाती है। यह दीपोत्सव केवल ज्योति का नहीं, आत्मा के आलोक का पर्व है। पौराणिक परंपरा के अनुसार, इसी दिन भगवान श्रीराम ने चौदह वर्ष के वनवास के पश्चात सीता एवं लक्ष्मण सहित अयोध्या लौटकर रावण पर विजय प्राप्त की थी। उनके स्वागत में सम्पूर्ण अयोध्या नगरी घी के दीपों से आलोकित हो उठी। इस विजयोत्सव के रूप में तब से यह पर्व अनवरत रूप से मनाया जाता है। एक अन्य

मुख्य धारा में लौटते नक्सली

छत्तीसगढ़ से अब नक्सलवाद समाप्ति की ओर है। केंद्र एवं राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से छत्तीसगढ़ से नक्सली उन्मूलन को प्रत्याशी सफलता मिल रही है। बरस्तर के अलग-अलग क्षेत्र से अग्नी 210 नक्सलियों ने आत्म समर्पण किया है। समर्पित नक्सलियों को छत्तीसगढ़ सरकार की पुनर्वास नीति के तहत पूरी सुविधा दी जाएगी।



सतीश उपाध्याय

विगत दिनों बस्तर डिवीजन की महिला नक्सली गीता उर्फकमली ने आत्म समर्पण के दौरान बहुत अच्छी बात उसने कही थी। गीता ने कहा था कि -अब जंगलों में नहीं बल्कि सम्मान के साथ सिर उठाकर समाज के बीच रहकर जीवन जीना चाहती है। गीता की इस बात को बस्तर के उन सभी कमजोर असहाय पढ़ चुके नक्सलियों को आत्मसात करना चाहिए। क्योंकि नक्सलियों के पास अब दो ही रास्ता है या तो वे आत्मसम्मान से स्वयं को सरकार के सामने हथियार डाल दें या फिर गोली खाने के लिए तैयार रहें। नक्सली उन्मूलन की जैसे-जैसे तिथि करीब आ रही है ।छत्तीसगढ़ में माओवादियों की चूल्हें हिल रही है। देश में आतंकवादी गतिविधियों की समीक्षा एवं उन्हें नियंत्रित करने के निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। इसके साथ ही नक्सलवाद, साइबर क्राइम और ड्रग्स जैसे चुनौतियों से निपटने के लिए भी अब निरंतर व्यापक रणनीति बनाई जा रही है। छत्तीसगढ़ में नक्सलीय समस्या को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए 31 मार्च 2026 की तिथि निर्धारित की गई है। इस लक्ष्य के अनुरूप छत्तीसगढ़ में तेजी से अभियान चलाया जा रहा है। कभी बिहार व झारखंड जैसे दुर्गम क्षेत्र वामपंथी उग्रवाद के चपेट में थे, आज वहां शांति एवं अमन चैन है। केंद्र एवं राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से नक्सलियों के खिलाफ निरंतर ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं, ।सरकार की कोशिश है की विकास योजनाओं का लाभ सहज एवं सरल रूप से आम जनता तक पहुंचे। छत्तीसगढ़ सरकार यह अपील बार-बार करती रही है कि नक्सलवाद में शामिल व्यक्ति हिंसा छोड़कर मुख्य धारा से जुड़े इसके लिए छत्तीसगढ़ सरकार की पुनर्वास योजनाएं भी चलाई जा रही है। इस योजनाओं का व्यापक असर भी हुआ है बड़ी संख्या में नक्सली अब आम समर्पण कर रहे हैं। नक्सलियों को अब उन्हीं की भाषा में समझाया जा रहा है।

दक्षिण बस्तर में निरंतर सुरक्षा कैपों की

संख्या को बढ़ाया जा रहा है ,जिससे उन क्षेत्रों में नक्सलवाद को समूल नष्ट किया जा सके। राज्य की पुलिस एवं विभिन्न गुप्त एजेंसियों के समन्वित प्रयास

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

करके सफाई घर

क र के सफाई घर का कोना मालूमत हुआ घर का कोना । जिंदगी महका इंसाफियत से दीपक से घर आँगन सलेना।

जोड़ने बाँटने से बड़े खुशियाँ छोटी बून्दी का लड्डू हो जाना मिट्टी का दीया खुरीदो जरूर गरीब को भी है दीये जलाना। कोई तो एटम बम पे पगलाया किसी का फुलझड़ो से इतराना। दीवाली में दीवाली का ये कहना नेह की भाँति लगाने भूल न जाना। जल्ले अंतरास के रंजोगम मिटाओ खुशी का ल्यौहार खुशी से मनाना । उलझ कर भी झालर करते रेशन रोशनी

के साए में जीवन है बिताना । - सुरेश वेण्णव

किसी का तुम कभी

किसी का तुम कभी अपमान मत करना जरूरत से बड़ा सम्मान मत करना कोई मुझे में इसको भींचकर जाए अपने दिल को यू भी नाना मत उस चीज का अरमान मत करना तभी करना मुहब्बत रूह कहती हो जरूरत से ये मेरी जान मत करना। - मित्र गाजियाबादी

कथा के अनुसार, समुद्र-मंथन के समय इसी दिवस पर देवी लक्ष्मी का प्रदुर्भाव हुआ था; अतः इस दिन लक्ष्मी पूजन का अत्यंत शुभ महत्व है। दीपावली की रात जनमानस प्रतीक रूप में आशा और स्वागत की प्रतीक्षा में द्वार खुले रखते हैं, दीप जलाते हैं – मानो कह रहे हों, “हे सौभाग्य, हे प्रकाश, हमारे घर में पधारो।” व्यापारी समुदाय के लिए यह पर्व नववर्ष का आरंभ भी है। वे इस दिन अपने पुराने बही-खाते समाप्त कर नवीन लेखे आरंभ करते हैं – यह नवता, स्वच्छता और शुभारंभ का प्रतीक है।

वर्तमान संदर्भ में दीपावली का महत्व और भी व्यापक हो जाता है। यह दिन आर्य समाज के प्रवर्तक स्वामी दयानंद सरस्वती के निर्वाण दिवस के रूप में भी स्मरण किया जाता है। इसी प्रकार जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का निर्वाण भी इसी पावन तिथि को हुआ था। अतः आर्य समाज तथा जैन

समुदाय के लिए यह दिन श्रद्धा, साधना और प्रकाश का विशेष पर्व है। दीपावली केवल घरों की सजावट का ल्यौहार नहीं यह शरीर, मन और आत्मा की स्वच्छता का पर्व है। इस दिन लोग अपने घरों की सफाई के साथ-साथ अंतःकरण के विकारों को भी धोने का प्रयास करते हैं। दीपों की लौ केवल दीवारों को नहीं, अंतरतम के अंधकार को भी आलोकित करती है। इसी उजास से उत्पन्न होती है सच्ची सम्पत्ता भौतिक नहीं, आध्यात्मिक। बाजारों की रैनाक, मित्राइयों की मित्रास और स्वर्णभूषणों की चमक से भी परे, दीपावली का वास्तविक अर्थ है आशा, करुण और ज्ञान का प्रसार। यही कारण है कि यह पर्व राष्ट्र की आर्थिक चेतना के साथ-साथ सांस्कृतिक एकता का भी प्रतीक बन चुका है। धनतेरस से दीपावली तक करोड़ों-अरबों का व्यापार होता है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था में भी नवोन्मेष का संचार होता है।

संपन्न विकसित भारत के लिए स्वस्थ भारत का संकल्प जरूरी

दीपावली पर दिल्ली में दो लाख और अयोध्या में छब्बीस लाख के साथ देश में करोड़ों दीप जलाएँ 7

महालक्ष्मी के साथ सरस्वती की पूजा कर परिवार के साथ सम्पूर्ण भारत को संपन्न विकसित भारत की अर्चना करें। प्राचीन काल से भारतीय संस्कृति में इस पूजा अर्चना का लक्ष्य ही सामाजिक आर्थिक प्रगति के लिए रहा है। लेकिन ‘ स्वस्थ भारत ’ के

बिना शिक्षित , संपन्न विकसित भारत ‘ बन सकता है। इसलिए संस्कृति के अनुसार स्मरण करें - लक्ष्मी पूजा से पहले ‘ भगवान् धन्वन्तरि की पूजा का प्रावधान है। आर्थिक बाजारवाद ने इसके बजाय ‘ धनतेरस ‘ नाम से सोना या अन्य वस्तुएं , सम्पत्ति खरीदने पर अधिक ध्यान दिया जाने लगा है।

भारत सरकार ने वर्ष 2016 से प्रत्येक वर्ष धनवंतरि जयंती (धनतेरस) के दिन आयुर्वेद दिवस मनाया आरंभ किया। इसका उद्देश्य है आयुर्वेद के सिद्धांतों, औषधीय पौधो और जीवनशैली से जुड़ी जागरूकता को बढ़ाना। भारतीय परंपरा के अनुसार

आयुर्वेद का ज्ञान भगवान धनवंतरि से प्रारंभ हुआ, जिन्हें भगवान ब्रह्मा से यह ज्ञान प्राप्त हुआ था। आयुर्वेद दिवस भगवान धनवंतरि के योगदान का सम्मान है, जो हमें प्राकृतिक और संतुलित जीवन की दिशा दिखाता है।आयुर्वेद भारत की प्राचीन चिकित्सा पद्धति है, जो शरीर, मन और आत्मा के संतुलन के माध्यम से समग्र स्वास्थ्य को प्राप्त करने पर बल देती है। आयुर्वेद शब्द संस्कृत के दो शब्दों से बना है आयु अर्थात जीवन और वेद अर्थात ज्ञान। इस प्रकार आयुर्वेद का अर्थ है जीवन का ज्ञान। वर्तमान में भारत में आयुर्वेद की स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट स्तर की व्यवस्थित शिक्षा उपलब्ध है। निजी और सरकारी क्षेत्रों में सशक्त संस्थागत ढांचा विकसित हुआ है। आयुर्वेद चिकित्सकों और औषधि निर्माताओं का विशाल नेटवर्क स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुंचा रहा है।अब आयुर्वेद को 24 देशों में पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली के रूप में कानूनी मान्यता प्राप्त है। यह भारत की एक बड़ी उपलब्धि है। अंतरराष्ट्रीय मंचों जैसे

स्वास्थ्य का संदेश देता है।

हमारे समाज में वृष्यों और औषधीय पौधों के गुणों का ज्ञान सदियों से रहा है। आधुनिकता के दौर में जब हम प्रकृति से दूर हुए, तब हमने इस परंपरागत ज्ञान को भुला दिया। अब पुनः लोगों में जागरूकता बढ़ रही है। आज इंटीग्रेटिव सिस्टम ऑफ्मेडिसिन का विचार पूरी दुनिया में लोकप्रिय हो रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि सरकार आयुष और आयुर्वेद जैसी पारंपरिक भारतीय चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा दे रही है। पिछले दस वर्षों में आयुष प्रणाली का विस्तार 100 से अधिक देशों तक हुआ है। उन्होंने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन का पहला पारंपरिक चिकित्सा केंद्र भारत में स्थापित किया जा रहा है।



निंदा, अत्यधिक होशियार एवं ज्ञानी कहा जाता है। - गौरी पटले

गुड़िया रानी हो रही ,गुमसुम

गुड़िया रानी हो रही ,गुमसुम और उदास। इन्मिहान की आ रही,घड़ियाँ ज्यों-ज्यों पास।। घड़ियाँ ज्यों-ज्यों पास,करे दिन भर तैयारी। उलटे - पलटे खूब, कितानें काँपी सारी। भूल गई सब खेल, न भाएँ उसे कहानी। पृष्ठे सबसे प्रश्न, दुखी है गुड़िया रानी।। - डॉ बिपिन पाण्डेय

बियाबां जीस्त का सहरा मिला है !



बियाबां जीस्त का सहरा मिला है ! जहाँ अरसां का दम घुटता मिला है!! चमकता था कभी किस्मत का तारा , मगर अब चाँद भी टूटा मिला है । मिटा कर अपनी हस्ती को किसी पर , निगाहे-नाजू का सदक़ा मिला है ! हे चेहरे पे क्योँ हैरत की फ़ाख़्ती , खुशी पाई है या सदमा मिला है ? ‘वफ़ा’ है मुत्तइन इस ज़िन्दगी से , खुदा से जो मिला अच्छा मिला है !

- कविता सिंह

शब्द सागर

शब्द सामर्थ्य - 204														
(भाषावत साग)														
बाएँ से दायें 1. घुमान-फिराव बला, आगु-सर्वाव 18. प्रमाण-पत्र, प्रमाणि उच्चारण कान्वा, कालकाना 12. तिरछा, को कटिन हो 3. कुशाल, कवन या बात 19. पछताना मुलकों को जौनित और गोरियों दखान, किराजतन 6. लोण, प्रजा (मूल) 21. अनुपम मिश्रण, को सत्य कर देने वाला व्यक्ति 7. सीता, कनकदन्दी 9. सुदूर, मिलनदट 22. किरनल, बेमिश्न, श्रेयान्न की सीता 14. डेरे की किराना करने की शीघ्र 10. बीछलाना हुआ।														
ऊपर से नीचे क्रोधवर्च कोलेन को उडान होना, जौश में आना, क्रोधातिरक में 1. सहारा, आश्रय, प्रसिद्धा, संरक्षण प्रयत्न, समस्या 20. सहानुता, चेहरे का लाल होना 13. 2. परिश्रम 4. रात, रात्रि, निरा 5. सहारा 21. सुनौती को डिलाने अधीनता, मातहतता, बरा 14. पुत्र, बेटा 8. मृत्पु, दाम 9. कपड़े काली हरी पहिचान, गुण, तिनका।														
शब्द सामर्थ्य क्रमांक203आ हल														
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
अ	इ	उ	ए	ओ	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण	त	थ	द	ध	न	प	फ	ब	भ	म
य	र	ल	व	श	ष	स	ह	ळ	ळ	ळ	ळ	ळ	ळ	ळ
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५
१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०
३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५
४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०

राशि फल



पं. देवव्रत शर्मा

मेघ: आपका आज के दिन का पहला भाग निराशा से भरा रहेगा। सम्पत्ति का विवाद अथवा धन सम्बंधित कारणो से मानसिक रूप से चिंतित रहेगे लेकिन किसी के आगे प्रकट नहीं होने देंगे।
वृष:आज का दिन मिला-जुला फल देगा। दिन के पूर्वाह्न में थोड़ी बहुत स्वास्थ्य सम्बन्धित शिकायतें रह सकती है। आलस्य के कारण कार्य में मन नहीं लगेगा। आर्थिक दृष्टिकोण से दिन सामान्य रहेगा।।
मिथुन: आज के दिन आपका लक्ष्य मुख्य रूप से भौतिक संसाधनों में वृद्धि करना रहेगा।। इसमें काफी हद तक सफलता भी मिल जायेगी। भागीदारी के कार्य आज सारधानी से करे छल होने का भय है।

कर्क: आपका आज का दिन विषम परिस्थिति वाला रहेगा। आज आपके वाणी अथवा व्यवहार से किसी का अहिंता भी हो सकता है। कार्यों में असफलता मिलने से क्रोध अधिक रहेगा।।

सिंह:आज का दिन लाभदायक रहेगा। आज आप निश्चिन्त होकर दिनचर्या बितायेगे। कार्य क्षेत्र पर सहयोगी तात्पारणा रहने से आशा से अधिक लाभ कमा सकते है।
कन्या: आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा। किसी परिचित की समस्या का समाधान करने पर सामाजिक क्षेत्र पर आज आपकी छति बुद्धिमान जैसी बनेगी।
तुला: आज का दिन आप सुख-शांति से व्यतीत करेंगे। स्वास्थ्य आज सर्दी जुखाम के कारण नरम रह सकता है फिर भी आपकी दिनचर्या पर सकारात्मक असर नहीं पड़ेगा।
वृश्चिक: आज के दिन आप शारीरिक एवं मानसिक रूप से असहस्य रहेंगे। शरीर में दर्द की शिकायत रह सकती है जिस कारण कार्य में

व्यथान पड़ सकता है।

धनु: आज का दिन भाग्य पथ मे वृद्धि कराने वाला रहेगा। आज के दिन आप में धर्म कर्म के प्रति विशेष लगाव रहेगा। गुरु विषयो को जानने में अधिक रुचि लेगे।

मकर: आज का दिन आपके पक्ष में रहेगा। परन्तु सेहत में थोडा उतार चढ़ाव बना रहेगा। पुराने लटके कार्यों में गति आएगी। नई योजनाओं अधिक फलप्रती होगी।
कुंभ: आज का दिन आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। दिन के पूर्वाह्न में कार्य क्षेत्र पर बेहतर तात्पारण मिलने से धन लाभ होगा। इसके बाद का समय गलत निर्णय लेने से हानिकर रहेगा।

मीन:आज का दिन आपकी आशाओं के विपरीत रहने वाला है। रिश्तों को आज उभरी के व्यवहारों के कारण भी आज परेशान रहेगे।



न्यूज़ गैलरी

जिला स्तरीय पशु पक्षी प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता का आयोजन 23 और 24 अक्टूबर को

गौरेला पेंड़ा मरवाही/नवप्रदेश। पशु चिकित्सा सेवाएं विभाग के सौजन्य से जिला स्तरीय पशु पक्षी प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता का आयोजन ग्राम सेमरा में स्वामी आत्मानंद स्कूल के पास 23 और 24 अक्टूबर को सुबह समय 10 बजे से अपराह्न 3 बजे तक आयोजित किया जा रहा है। प्रतियोगिता में सभी कृषकों एवं पशुपालको से आग्रह किया गया है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं। 23 अक्टूबर को प्रदर्शनी का उद्घाटन, वतस्य एवं कृषकों से परिचर्चा होगी। 24 अक्टूबर को विभिन्न प्रजाति, नस्ल, आयु समूह तथा उपयोगिता आधारित पशु पक्षी प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, जिसमें दुधारू गाय भैंस प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता, उन्नत बछिया प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता, स्वस्थ बछड़ा बछिया प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता, सांड प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता, बैल भैंस प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता, मुर्गी बतख, ज़ायना बटेर पक्षी प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता, उन्नत बकरा बकरी प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता, उन्नत सूकर प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता और विभिन्न प्रतियोगिताओं के पुरस्कार विजेताओं को वितरण किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ गौरव सम्मान से सम्मानित हुए खैरागढ़ के चार उत्कृष्ट शिक्षक



खैरागढ़/नवप्रदेश। छात्र व शिक्षकों के सर्वांगीण विकास ,समाज सेवा में संकल्पित शिक्षक कला प्रतिभा अकादमी छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में खैरागढ़ जिले के शिक्षकों को भी विभिन्न प्रदर्शन के लिए छत्तीसगढ़ गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रूपेन्द्र तिवारी अध्यक्षता राजेन्द्र चन्द्राकर ,विशेष अतिथि सुनिल शुक्ला , परस राम साहू रहे। शिक्षा, साहित्य, नवाचार, कला, संस्कृति, महिला सशक्तिकरण तथा समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट व अंतिम कार्य शैली के लिए शिक्षा कला प्रतिभा अकादमी छत्तीसगढ़ के द्वारा सम्मानित उत्कृष्ट शिक्षकों में खैरागढ़ विकासखण्ड से इंदिरा चंद्रवंशी पूर्वमाशा खपरी सिरदार, सुनिता सिंह प्राथमिक शाला मुतेड़ा नवागांव, अजय सिंह राजपूत पूर्व माध्यमिक विद्यालय दपका, श्यामा बोरकर पूर्व माध्यमिक विद्यालय इंटर के शिक्षकों को पुरस्कार प्रदान किया गया । उपलब्धि के लिए जिला शिक्षा अधिकारी लाल जी द्विवेदी विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी निलम राजपूत, बीआरसी सूजीत चौहान, कमलेश्वर सिंह , संकुल समन्वयक गिरवर बंजारे , निखिल सिंह, गणेश रजक , प्रेमलाल महिमा, रघुनाथ सिन्हा, हरिप्रसाद चंद्रवंशी,चंदन मिंज, ज्योति अग्रवाल, ब्रजेश दास, ललीता देवांगन सहित शिक्षक शिक्षिकाओं ने शुभकामनाएं दी।

स्वदेशी की भावना से बनेगा आत्मनिर्भर भारत-देवांगन

नवापारा राजिम/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से किए गए ‘स्वदेशी अपनाओ- और ‘वोकल फॉर लोकल- आह्वान से प्रेरित होकर युवा भाजपा नेता किशोर देवांगन ने धनतेरस के मौके पर नवापारा के स्थानीय बाजार से दिवाली पर्व संबंधी अवश्य वस्तुओं की खरीदी की। जानकारी देते हुए किशोर ने बताया कि भारत के स्थानीय व्यापारियों, विशेषकर छोटे और मध्यम व्यापारियों, को आर्थिक रूप से मजबूत करने और भारत सरकार द्वारा देशहित को देखते हुए अमेरिका से ट्रेड डील न करने से नाराज अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ से प्रत्येक भारतीय व्यापारी को अप्रभावित रखने की दृष्टि से ‘स्वदेशी अपनाओ- और ‘वोकल फॉर लोकल- को बढ़ावा देने भारतीयों से अपील की गई है । इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को भी ताकत मिलेगी और देश, आर्थिक रूप से और मजबूत होकर विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के साथ-साथ अमेरिका की दादागिरी को खत्म करने में भी सहयोग मिलेगा।

पुण्य के उदय में प्रमाद न करें : मनीष सागर दीपावली पर विशेष प्रवचन

रायपुर/नवप्रदेश। विवेकानंद नगर स्थित श्री ज्ञानवल्लभ उपाश्रय में शनिवार को उपाध्याय प्रवर युवा मनीषी श्री मनीष सागरजी महाराज ने कहा कि परमात्मा के प्रति सदैव समर्पण भाव होना चाहिए। पुण्य के उदय में प्रमाद नहीं करना चाहिए। इससे पुण्य का अवसर खो जाता है। पुण्य का उदय पूंजी से और अधिक पुण्य कमना है। धीरे-धीरे पुण्य को बढ़ाकर ऊपर उठने का कार्य करना है। सदैव समर्पण की राह पर चलना चाहिए। समर्पण एक ऐसा माध्यम है जिससे लाभ ही होता है।समर्पण से सदैव आगे ही बढ़ते जाएंगे। परमात्मा के प्रति



समर्पण ही हमें ऊंचाइयों को हासिल कराएगा।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि अहंकार गलेगा तभी भगवान

महावीर स्वीकार होंगे। जीवन का पूर्ण रूप केवल दिखाई देगा। भगवान महावीर के निर्वाण में ही परमात्मा की संसार अवस्था समाप्त हुई। पूर्ण अवस्था सिद्ध अवस्था प्रारंभ हुई। ऐसे व्यक्तित्व के प्रति समर्पण बहुत गहरा होना चाहिए। जो इस भव में ही नहीं, जब तक हमारा भव नहीं छूटे तब तक परमात्मा का साथ

नहीं छूटे। इतना गहरा समर्पण होना चाहिए।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि कभी देखा देखी नहीं करना चाहिए। भेड़ चाल में नहीं चलना चाहिए। धर्म कार्य केवल करने के लिए नहीं होना चाहिए। समर्पण भाव के साथ धर्म से जुड़ाव होना चाहिए। लक्ष्य नहीं होगा तो परमात्मा की आवश्यकता और उनके आदर्श नहीं समझ पाएंगे। यदि आपका लक्ष्य परमात्मा बनना होगा तो ही परमात्मा समझ आएंगे। भीतर साध्य भगवान महावीर को प्रकट करना होना चाहिए। पहले लक्ष्य होना चाहिए। मूल लक्ष्य तय करना होगा। उपलक्ष्य का माध्यम लेकर चलना होगा।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि समर्पण भगवान महावीर के प्रति वैसा होना चाहिए जैसा मीरा का श्रीकृष्ण के प्रति था। गौतम स्वामी का भगवान महावीर के प्रति था। भगवान महावीर की ऊंचाइयों को समझना है तो उनका ज्ञान, दर्शन और चारित्र्य को समझना होगा। भगवान महावीर ने वीतरागता के लिए 27 भव की साधना की। हमारे तो अनंत भव हो गए हैं फिर भी हम नहीं समझ पा रहे हैं। भगवान महावीर ने आत्मा के अनंत गुणों को ज्ञान, दर्शन और चारित्र्य से हासिल किया। यह परमात्मा की ऊंचाई है।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं पर विशेष जोर

कोई भी गर्भवती माताएं स्वास्थ्य देखभाल सेवा से वंचित न रहें –कलेक्टर

खैरागढ़/नवप्रदेश। कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की आयोजित बैठक में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा संचालित राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं योजनाओं की समीक्षा की गई। कलेक्टर चंद्रवाल ने अधिकारियों को जिले की कोई भी गर्भवती माता स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं से वंचित नहीं रहने देने के निर्देश दिए । कलेक्टर चंद्रवाल ने कहा कि शत-प्रतिशत गर्भवती माताओं का पंजीयन सुनिश्चित कर प्रत्येक गर्भवती का प्रसव पूर्व चार बार स्वास्थ्य परीक्षण

अनिवार्य रूप से कराया जाए। उन्होंने प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवसों में गर्भवतियों की सूची अनुसार ट्रेकिंग कर विशेषज्ञ परामर्श सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिससे किसी भी उच्च जोखिम वाली गर्भवती माता का उपचार न छूटे। कलेक्टर ने कहा कि घर प्रसव होने की स्थिति में संबंधित स्वास्थ्य कर्मियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। मातृ मृत्यु एवं शिशु मृत्यु प्रकरणों का शासन द्वारा निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार ऑडिट निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने, गैर संचारी रोगों की स्क्रीनिंग शत प्रतिशत पूर्ण कर पोर्टल में रिपोर्टिंग , आयुष्मान भारत योजना के तहत आयुष्मान कार्ड एवं आयुष्मान वय वंदना कार्ड का 100 प्रतिशत



पंजीयन सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। एनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत विद्यालयों में साप्ताहिक रूप से छात्रों को आयरन फ़ैलिक एसिड गोलिएयों का वितरण शिक्षा विभाग के समन्वय से सुनिश्चित करने कहा। कलेक्टर ने कहा कि आयुष्मान

आरोग्य मंदिरों में सभी 12 प्रकार की सेवाएं नियमित रूप से उपलब्ध कराई जाएं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को समय पर दवा एवं जांच सुविधा प्राप्त हो सके। उन्होंने नर्सिंग होम एक्ट एवं पीसीपीएनडीटी एक्ट के तहत निजी स्वास्थ्य संस्थाओं से

जानकारी प्राप्त कर आवश्यकतानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन मिशन के तहत सिकल सेल स्क्रीनिंग कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कर पोर्टल में एंटी सुनिश्चित की जाएगी।

राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत संभावितों की स्क्रीनिंग, वल्नरेबल जनसंख्या की जांच कर निक्षय पोर्टल में एंटी की जाएगी तथा उपचाररत मरीजों को निक्षय मित्रों से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित करने दिशा में ठोस प्रयास किए जाएं। कलेक्टर चंद्रवाल ने आयुष्मान डिजिटल हेल्थ मिशन के तहत आभा कार्ड निर्माण शत प्रतिशत पूर्ण करने , सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में ऑनलाइन पंजीयन पर्वी तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों

एवं सिविल अस्पतालों में ई-हॉस्पिटल प्रणाली के माध्यम से ओपीडी, प्रिस्क्रिप्शन, आईपीडी एवं दवा वितरण की सुविधा सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने पोस्ट मॉर्टम एवं मेडिको-लीगल कार्यों को मेडलीपर पोर्टल से पूर्णत डिजिटल करने तथा सड़क दुर्घटना मरीजों की जानकारी आईड एप में दर्ज करने के निर्देश भी दिए। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आशीष शर्मा, जिला कार्यक्रम प्रबंधक सोनल धूव, जिला कार्यक्रम नोडल अधिकारी, बीएमओ, विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक, जिला सलाहकार, स्वास्थ्य पर्यवेक्षक, महिला एवं बाल विकास विभाग के सीडीपीओ तथा स्वास्थ्य सेक्टर सुपरवाइजर सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

खैरागढ़ जिला प्रशासन की पहल वनांचल तक विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवा पहुंचाने आदि आरोग्य रथ को किया रवाना



खैरागढ़/नवप्रदेश। जिले के नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति सशक्त बनाने एवं स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतरता सुनिश्चित करने आदि आरोग्य रथ वाहन सेवा का शुभारंभ कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन, भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी की जिला शाखा एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के संयुक्त सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष प्रियंका खम्मन ताम्रकार , उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह ने आदि आरोग्य रथ

को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर जिप के सभापति , सदस्य, जनपद अध्यक्ष, सांसद एवं विधायक प्रतिनिधि सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। जिला पंचायत सीईओ प्रेम कुमार पटेल ने बताया कि पीएम-जनमन क्षेत्र के वनवासी समुदायों एवं जिले के नागरिकों को स्वास्थ्य रूप से सशक्त बनाने की दिशा में यह एक विशेष पहल है। इस सेवा से जिले के दूरस्थ एवं वनांचल क्षेत्रों के लोगों को विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ा जा सकेगा।

स्वदेशी अपनाओ, देश बचाओ के नारों से गुंजा महाकाल चौक

पत्रकारों का हुआ सम्मान

कपड़े के झोले एवं पेड़ बांटे गए

राजनांदगांव/नवप्रदेश। महाकाल चौक में शुक्रवार को कैट , स्वदेशी जागरण मंच एवं पत्रिका के संयुक्त तत्वावधान में ‘वोकल फॉर लोकल- कार्यक्रम एवं पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में स्वदेशी उत्पादों को अपनाने और स्थानीय व्यापार को बढ़ावा देने का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम में पूर्व सांसद प्रदीप गांधी, पूर्व महापौर हेमा देशमुख, पूर्व नेता प्रतिपक्ष शिव वर्मा, मणि भास्कर गुप्ता , गुरुमुख दास वाधवा, स्वदेशी जागरण मंच से राजकुमार शर्मा, श्रीमती संगीता शुक्ला, अमलेश राय, सुरेश पंजवानी, विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। पत्रिका से जिला ब्यूरो प्रमुख कुलदीप मोहन ने भी आयोजन की गरिमा बढ़ाई।



जागरूकता के लिए झोले और पंपलेट का वितरण

आयोजन से जुड़े सभी लोगों को कपड़े के 150 झोले वितरित किए गए ताकि प्लास्टिक मुक्त भारत का संदेश समाज तक पहुंचे। साथ ही एक जानकारीपूर्ण पंपलेट भी बांटा गया, जिसमें बताया गया कि कौन-से उत्पाद स्वदेशी हैं और कौन-से विदेशी। इसका उद्देश्य लोगों को खरीदारी के समय सही निर्णय लेने के लिए जागरूक करना था। पर्यावरण को संरक्षित करने हेतु आम नागरिकों को पेड़ पौधों का वितरण किया गया।कैट, स्वदेशी जागरण मंच और पत्रिका के प्रतिनिधियों ने कहा कि स्थानीय उत्पादों का प्रयोग करना सिर्फ एक विकल्प नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण में भागीदारी है। आने वाले त्योहारी मौसम में फ्रोकल फॉर लोकल को जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया गया।

पत्रकारों का हुआ सम्मान

समारोह में राज्य एवं संभाष स्तरीय अधिमान्यता समिति में

कार्यक्रम स्थल स्वदेशी अपनाओ, देश बचाओ, जब भी बाजार जाएंगे, स्वदेशी सामान लाएंगे- और ‘भारत की मांग, वोकल फॉर लोकल- जैसे नारों से गुंज उठा। स्वदेशी जागरण मंच के सदस्यों ने लोगों से विदेशी वस्तुओं के बजाय देशी उत्पादों को अपनाने का आह्वान किया।

इस आयोजन के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि ‘स्वदेशी अपनाओ, देश को सशक्त बनाओ।- कार्यक्रम ने समाज में आत्मनिर्भरता, पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय अर्थव्यवस्था के सशक्तिकरण का नया संदेश दिया।

जिंप. सदस्य श्रद्धा ने की बीएलओ कार्य शिक्षकों की जगह बेरोजगार युवाओं से कराने की मांग

उतई/नवप्रदेश। जिला पंचायत दुर्ग की सामान्य सभा के दौरान सभापति श्रद्धा पुरेंद्र साहू ने जिले में बीएलओ कार्य शिक्षकों की जगह बेरोजगार युवाओं से कराने की मांग की। जिसका समर्थन जिला पंचायत की सामान्य सभा में उपस्थित बाकी सदस्यों ने भी किया। जिंप. सदस्य श्रद्धा का कहना था कि शिक्षकों से बीएलओ कार्य कराए जाने से स्कूलों में पढ़ाई प्रभावित होती है। युक्तियुक्तकरण के बाद वैसे भी सरकारी स्कूलों में सीमित टीचर्स बचे हैं। ऐसे में बीएलओ कार्य शिक्षकों को दिया जाता है तो

बच्चों की पढ़ाई में दिक्कत होती है। टीचर्स अपना पूरा समय इसी कार्य में निकाल देते हैं। जिससे बच्चे पढ़ाई से वंचित रह जाते हैं। इसका असर स्कूली बच्चों के रिजल्ट में साफ-साफ दिखाई देता है।

बेरोजगार युवाओं का कार्य देने सौंपा ज्ञापन

जिंप. सदस्य श्रद्धा पुरेंद्र साहू ने बीएलओ कार्य शिक्षकों की जगह बेरोजगार युवाओं से कराए जाने के लिए दुर्ग कलेक्टर अभिजीत सिंह को ज्ञापन सौंपा है। उनका कहना है कि यदि बीएलओ

कार्य बेरोजगार युवाओं को दिया जाएगा तो टीचर्स का काम हल्का हो जाएगा। स्कूलों में पढ़ाई प्रभावित नहीं होगी। बेरोजगार युवाओं को कुछ समय के लिए आंशिक रोजगार मिल जाएगा। जिससे उनका आर्थिक स्तर सुधर जाएगा। टीचर्स को वैसे भी बीएलओ कार्य के लिए अतिरिक्त भुगतान किया जाता है, अगर यही भुगतान मितांनित, स्व-सहायता समूह की बहनों या बेरोजगार युवाओं को किया जाए तो उन्हें एक अवसर मिलेगा। कलेक्टर ने इस मांग पर विचार करने की बात कही है।



न्यूज गैलरी

राज्य स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन



कांकेर/ नवप्रदेश। शासकीय पॉलिटेक्निक कांकेर में छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद टेक्निकल यूनिवर्सिटी भिलाई के द्वारा आज राज्य स्तरीय एकीकृत क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके तहत शासकीय पॉलिटेक्निक कांकेर को रस्साकसी खेल के आयोजन की जिम्मेदारी मिली। इस प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में शासकीय पॉलिटेक्निक दुर्ग ने प्रथम एवं शासकीय पॉलिटेक्निक कांकेर ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं महिला वर्ग में शासकीय पॉलिटेक्निक कांकेर ने प्रथम एवं शासकीय पॉलिटेक्निक धमतरी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस प्रकार संपन्न प्रतिस्पर्धा से अंतर विश्वविद्यालयीन प्रतियोगिता के लिए टीम का चयन किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए संस्था के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने आयोजन समिति को बधाई दी। इस अवसर पर क्रीड़ा अधिकारी, पर्यवेक्षक, रैफ़री सहित संस्था के सभी तकनीकी स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

राज्यपाल से विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉ. महंत ने सौजन्य भेंट की



रायपुर/नवप्रदेश। राज्यपाल रमन डेका से आज यहां राजभवन में छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने सौजन्य भेंट कर दीपावली की शुभकामनाएं दी। राज्यपाल ने भी उन्हें शुभकामनाएं दी।

रतन शर्मा बने कैट सारंगढ़ जिला के नये अध्यक्ष



रायपुर/नवप्रदेश। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य श्री अमर पारवानी, प्रदेश चेयरमेन श्री मंगेलाल मालू, प्रदेश चेयरमेन श्री विक्रम

सिंहदेव, प्रदेश एकजीवयूटिव चेयरमेन श्री जितेन्द्र दोशी, प्रदेश अध्यक्ष श्री परमानंद जैन, प्रदेश महामंत्री श्री सुरिन्दर सिंह एवं प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री अजय अग्रवाल ने संयुक्त रूप से बताया कि आगामी दो वर्षों के लिए श्री रतन शर्मा (बरमकेला) को जिला अध्यक्ष-सारंगढ़-बिलाईगढ़ ईकाई पद पर मनोनित किया गया।इस अवसर पर श्री अमर पारवानी एवं परमानंद जैन ने नवनियुक्त अध्यक्ष को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रतन शर्मा अपने अनुभव एवं समर्पण से सारंगढ़ जिले के स्थानीय व्यापारियों के हितों की रक्षा हेतु संगठित प्रयास करेंगे तथा व्यापारी समाज को सशक्त आवाज प्रदान करेंगे। यह नियुक्ति कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री बी.सी. भरतिग्या एवं राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद (चांदनी चौक, नई दिल्ली) प्रवीण खण्डेलवाल जी की अनुशंसा पर संपन्न हुआ।

चैरिटी कार्यक्रम ‘सौगात खुशियों की’ का आयोजन

रायपुर/नवप्रदेश। एडवर्टाईजिंग एजेंसिज एसोसिएशन ऑफ़ छत्तीसगढ़ द्वारा दिनांक 16 अक्टूबर 2025 को रायपुर के मैग्नेटो मॉल स्थित सॉफ़ेज हॉल में एक विशेष चैरिटी कार्यक्रम सौगात खुशियों की का आयोजन किया गया।एसोसिएशन के अध्यक्ष अंकार सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत अर्पण दिव्यांग पब्लिक स्कूल के बच्चों को आमंत्रित किया गया, जहां उन्हें गिफ्ट्स और हैप्पर्स भेंट किए गए। इस कार्यक्रम में मनोरंजन का विशेष आयोजन किया गया ।

पेज 1 का शेष

सीईसी ने बिहार विस ...

मतदाताओं के लिए पूरी तरह से सुलभ रहने और उनकी शिकायतों का त्वरित समाधान करने को कहा गया है। आयोग ने पर्यवेक्षकों को मतदान केंद्रों का दौरा करने और मतदाताओं की सुविधा के लिए हाल ही में शुरू की गई पहलों को लागू करने के लिए भी निर्देशित किया है। इसका उद्देश्य सभी राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करना है। भारतीय चुनाव आयोग पहले ही बिहार विधानसभा चुनाव और 8 विधानसभा क्षेत्रों में हो रहे उपचुनावों के लिए चुनावी कार्यक्रम का घोषणा कर चुका है। बिहार में दो चरणों में 6 और 11 नवंबर को मतदान होगा। वहीं उपचुनावों के लिए 11 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। 14 नवंबर को मतगणना होगी।

खुदरा महंगाई दर में ...

दौरान यह नकारात्मक क्षेत्र में रहेगी, क्योंकि हाल में आई बाढ़ का प्रभाव सीमित रहा है। खाद्य उत्पादों की कीमतों में कमी और जीएसटी दरों में कमी से मुद्रास्फीति पहले ही आठ साल के निचले स्तर पर आ गई है। रिपोर्ट में बैंक ने वित्त वर्ष 26 के लिए मुद्रास्फीति के अपने पूर्वानुमान को 3.1 प्रतिशत के पूर्व अनुमान से घटाकर 2.6 प्रतिशत कर दिया गया है। रिपोर्ट में कहा गया कि मुद्रास्फीति वर्ष के अधिकांश समय आरबीआई की लक्ष्य सीमा से नीचे रहने की संभावना है और आधार प्रभावों के कारण चौथी तिमाही में इसमें थोड़ी वृद्धि हो सकती है। उपभोक्ता

तकनीक से बचा सकते हैं समय पर पीड़ित की जिंदगी

कांकेर/ नवप्रदेश। इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के निर्देशानुसार पूरे देश में सीपीआर जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। कांकेर जिले में रेडक्रास के अध्यक्ष कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर के मार्गदर्शन में सीपीआर सप्ताह में लोगों को सीपीआर के प्रति जागरूकता करने कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। सीपीआर के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 13 से 17 अक्टूबर तक पूरे देश में सीपीआर सप्ताह मानने का निर्णय लिया है।प्रथम दिवस शासकीय शिक्षा महाविद्यालय में भारतीय



रेडक्रॉस सोसायटी कांकेर द्वारा सीपीआर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। राज्य प्रतिनिधि अनुपम जोषर ने बेसिक लाइफ़ स्पोर्ट की जानकारी देते हुए जागरूकता संबंधित बात बताई।मास्टर ट्रेनर व जिला संगठक रेडक्रास पवन सेन ने विस्तार से

बताया कि आज हार्ट अटैक का मुख्य कारण क्या है अटैक से कैसे बचा जा सकता है क्या क्या सावधानी बरतना चाहिए।

प्रशिक्षण के अंतर्गत दृश्य निर्माण करते हुए जीवन रक्षा कौशल के सभी चरणों को बताया गया। देखना सुनना, एहसास करना एवं

धान की फसल में ड्रोन तकनीक का सफल प्रदर्शन



किसानों को मिली आधुनिक खेती की जानकारी

कांकेर/ नवप्रदेश। रजत जयंती के अवसर पर कृषि के क्षेत्र में नवाचार की दृष्टि से आधुनिक तकनीक से खेती को सरल, सुरक्षित और लाभकारी बनाने की दिशा में कृषि विभाग भानुप्रतापपुर द्वारा ग्राम रानीडोंगरी में धान की फसल में कृषि ड्रोन तकनीक का सफल प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के दौरान किसानों को ड्रोन द्वारा फसलों में

तरल जैव उर्वरक कीटनाशक खरपतवार नाशक एवं रोगनाशक छिड़काव की प्रक्रिया का प्रत्यक्ष प्रदर्शन कराया गया तथा इसके संचालन से संबंधित तकनीकी पहलुओं की विस्तृत जानकारी भी दी गई।

प्रशिक्षण सह ड्रोन प्रदर्शन कार्यक्रम में उपसंचालक कृषि जितेंद्र सिंह कोमरा ने कृषि में ड्रोन तकनीक के उपयोग और भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आधुनिक खेती के युग मे

ड्रोन तकनीक से खेती लाभदायक है। ड्रोन तकनीक से कम समय, कम लागत और कम श्रम में अधिक क्षेत्र में छिड़काव संभव है, इससे किसानों को न केवल समय की बचत होगी, बल्कि उत्पादन क्षमता भी बढ़ेगी। कृषि विभाग के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी महात्मा तरेता ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा खेती में ड्रोन तकनीक आज के समय की मांग है। किसान भाई फसलों में तरल जैव उर्वरक नैनो यूरिया, नैनो डीएपी एवं फसलो में लगाने वाले कीट

एयरवेस, ब्रीदिंग तथा सर्कुलेशन के प्रक्रिया को समझते हुए 2 माउथ टू माउथ : 30 चैस्ट कप्रेशन के चरणबद्ध प्रक्रिया से अवगत कराया गया।डमी के माध्यम से सभी को डेमो करके दिखाया सभी विद्यार्थियों को मौका देते हुए उनके सीपीआर देने का प्रैक्टिकल भी कराया। शिक्षा महाविद्यालय के कार्यक्रम में प्राचार्य आर के मिश्रा, प्राध्यापक श्रीमती पूर्वा शर्मा, प्राध्यापक सहित महाविद्यालय के 50 छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।द्वितीय दिवस शासकीय शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डाइट में 70 छात्र छात्राओं और कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण में प्राचार्य आनंद गुप्ता उप प्राचार्य भुवन जैन, प्राध्यापक जनक सिंह दिनेश सिंह प्रशिक्षक जोआर साहू, सहयोगी जागेश्वर

ठाकुर उपस्थित रहे।

सीपीआर सिर्फ डॉक्टरों को नहीं बल्कि सभी को आना चाहिए ...

मास्टर ट्रेनर पवन सेन ने बताया कि सीपीआर तुरंत शुरू करने से व्यक्ति के मस्तिष्क और हृदय को ऑक्सीजन मिलती रहती है। जिससे उसकी जान बचाई जा सकती है। दुर्घटना, डूबने, करंट लगने या हार्ट अटैक जैसी स्थिति में सीपीआर देने से एम्बुलेंस या डॉक्टर के आने तक व्यक्ति की स्थिति को स्थिर रखा जा सकता है अगर हृदय रुकने के पहले 4-5 मिनट के अंदर सीपीआर शुरू कर जाती है तो व्यक्ति के जीवित रहने की संभावना बहुत बढ़ जाती है।

बालिका सशक्तिकरण माह के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित



कांकेर/ नवप्रदेश। कलेक्टर के निर्देशानुसार तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी के मार्गदर्शन में चारामा परियोजना के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पुरी में बालिका सशक्तिकरण माह के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मेंटल हेल्थ एवं स्वस्थ नारी सशक्त परिवार के संबंध में स्वास्थ्य विभाग से चिरायु टीम के द्वारा छात्र-छात्राओं को विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। इस दौरान जिला महिला सशक्तिकरण केन्द्र के जेडर विशेषज्ञ खुलेश साह के द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग की विभिन्न योजनाएं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, हेल्पलाइन नंबर 1091, 181, 1073, 108, 101, 102, 1930, सखी वन स्टॉप सेंटर, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, महतारी वंदन योजना, सक्षम योजना, महिला कोष आदि योजनाओं की जानकारी दी गई। परियोजना अधिकारी द्वारा घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2005, गुड टच बेड टच, मासिक धर्म स्वच्छता, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के संबंध में जानकारी व शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर महिला बाल विकास विभाग से परियोजना अधिकारी, पर्यवेक्षक, स्कूल के प्राचार्य, शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

पहलवान कन्हैयालाल कसार की 23 वीं पुण्यतिथि पर छात्र-छात्राओं का सम्मान

रायपुर/नवप्रदेश। स्व. कन्हैयालाल जी कसार की 23वीं पुण्यतिथि पर उनके कुशती के प्रति महान योगदान और व्यक्तित्व को श्रद्धापूर्वक याद किया गया। उन्होंने अपने जीवन के 70 वर्ष तक समाज और देश की सेवा में समर्पित किया और रायपुर शहर एवं छत्तीसगढ़ का नाम ऊँचा किया।



वे हर जाति और धर्म के लोगों को कुशती सिखाते थे। उस्ताद जी समाज में जब छुआछूत का बोलबाला था तब सभी जाति धर्म के लोगों को कुशती सिखाते थे।उस्ताद जी न कि कुशती में बल्कि समाज सेवा में कई जरूरतमंद परिवारों की बेटियों की शादी में आर्थिक मदद की। उनका सपना था कि हर बच्चों को न्यूनतम शुल्क में अच्छे शिक्षा मिले। उसी सपने को साकार करने के लिए उन्होंने रायपुर कान्वेंट उ.मा.शाला की नींव रखी। जिसमें हजारों छात्रों को शिक्षा के माध्यम से ऊँचाईयों तक

छूने का अवसर मिला। उनकी सरलता और विनम्रता का यह आलम था कि बड़े से बड़े राजनेता,कई प्रतिष्ठित लोग उनके व्यक्तिव से प्रभावित होकर उन्हें सम्मान देते थे। वे कहते थे कि जितना हो सके दूसरों की मदद करो, अच्छे व्यवहार करो, और हमेशा अपने माता-पिता बड़ों का सम्मान करो। आज उनकी पुण्यतिथि के अवसर पर रायपुर कान्वेंट उ.मा.वि. गुडियारी में अधिकतम अंक प्राप्त छात्र-छात्राओं को गोल्ड मेडल से पुरस्कृत किया गया है उनके नाम निम्नलिखित हैं, (1) अंजली पटेल 94.8 प्रतिशत

(2) प्रियांशी सत्या 89.83 प्रतिशत (3) हिमशिखा गुप्ता 89.6 प्रतिशत (4) भावेश के. कुरें 88.5 प्रतिशत (5) मेहनाज खान 87.16 प्रतिशत (6) श्वेता देवांगन 86.33 प्रतिशत (7) साक्षी देवांगन 86.2 प्रतिशत (8) निखिलेशा पी. शर्मा 85.33 प्रतिशत (9) गीतेश वर्मा 84.6 प्रतिशत (10) हर्ष मारकण्डेय 84.2 प्रतिशत रायपुर कान्वेंट उच्चतर माध्यमिक स्कूल गुडियारी के सचिव श्री कमल प्रसाद कसार, श्रीमती श्वेता वासुनिक प्राचार्या, श्रीमती रानी शर्मा प्राचार्या, श्री आदित्य कसार एवं विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। इस अवसर पर उस्ताद जी को भावभीनी श्रद्धांजली अर्पित की गई।

समर्थन मूल्य दिलाने विधायक को ग्रामीणों ने ज्ञापन सौंपा

कांकेर/ नवप्रदेश।जिला पंचायत सदस्य मुदुला भास्कर ने ब्लॉकों में डिजिटल क्राप सर्वे) एप के माध्यम से इस बार वर्ष 2025 में खरीफ फसलो का आन्वलाईन सर्वे किया गया। इस सर्वे के उपरांत ही हर एक किसान अपने फसलों को एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) पर सरकार को बेच सकते हैं। इससे पहले गिरदावरी का काम खेतों में किसान के साथ जाकर पटवारी माध्यम से होता था। परन्तु इस वर्ष 2025 में केन्द्र सरकार के निर्देशानुसार आनलाईन किया गया।इसके लिए खेतों में जाकर मोबाइल के माध्यम से आनलाईन सर्वे के लिए पटवारी के द्वारा प्रत्येक पंचायत स्तर से 12 वीं पासे 2-3 बेरोजगार युवाओं को सर्वेयर के रूप में चुना गया। प्रत्येक खसरा सर्वे पर 10२, 15 दिनों के अंदर दिपावली से पहले



देने कि बात राजस्व विभाग के उच्च अधिकारियों द्वारा किया गया। लेकिन संबंधित अधिकारियों द्वारा 15 दिन के बाद भी मानदेय नहीं दिया गया,इस संबंध अधिकारियों से बात करने पर एक सप्ताह बाद दो दिन बाद, अन्य जिलों में फिर कांकेर, डाक्यूमेंट्स सत्यापन राज्य सरकार से चर्चा इस तरह बातों को गोल मटोल करते हुए कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया। इसलिए हम समस्त सर्वेयर

द्वारा 15 अक्टूबर को कांकेर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपने पर भी कोई प्रतिक्रिया नहीं दिया गया।उसके बाद इस संबंध में रविवार को कांकेर विधायक आशाराम नेताम को इस संबंध में अवगत कराया गया।जिसमें सुश्री मुदुला भास्कर जिला पंचायत सदस्य शिवदास नेताम माटवाड़ा लाल दीपक तेतापथरी सर्वेयर कुनाल कुमार बेववरी,अंकुर यादव- हाटकोगेरा वंशराज मोहपुर सम्मिलित हुए।

मूल्य सूचकांक (सीपीआई) में सितंबर में पिछले महिने की तुलना में काफी गिरावट देखी गई, जिससे मूल्य वृद्धि में व्यापक नमी का संकेत मिलता है। इस दौरान उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक -2.28 प्रतिशत रहा, जो दर्शाता है कि जून 2025 से खाद्य कीमतों में गिरावट आ रही है। आंकड़ों से यह भी पता चला कि ग्रामीण क्षेत्रों में मुद्रास्फीति 1.07 प्रतिशत रही, जबकि शहरी क्षेत्रों में मुद्रास्फीति थोड़ी अधिक 2.04 प्रतिशत रही। खाद्य मुद्रास्फीति दोनों क्षेत्रों में (ग्रामीण क्षेत्रों में -2.17 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में -2.47 प्रतिशत) नकारात्मक रही, जो सब्जियों और खाद्य तेलों की गिरती कीमतों के प्रभाव को दर्शाती है। सरकार ने इस गिरावट का श्रेय सब्जियों, तेलों, फलों, अनाजों, दालों, अंडों और ईंधन जैसी प्रमुख खाद्य वस्तुओं को कम कीमतों को दिया। अर्थशास्त्रियों का मानना ​​है कि यदि वर्तमान ट्रेंड जारी रहता है, तो भारत त्योहारों और सर्दियों के मौसम में कम मुद्रास्फीति का माहौल बनाए रख सकता है, जिससे उपभोक्ता मांग और समग्र आर्थिक स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा।

जगदलपुर: विशाखापट्टनम रेल ...

वजह से यात्री ट्रेन से लेकर मालगाड़ी आदि को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

गोवर्धन पर्व: प्रकृति से सह-अस्तित्व

प्रयास है कि इस पर्व के माध्यम से प्रकृति और पशुधन का महत्व नई पीढ़ी तक पहुंचे।मध्यप्रदेश अपनी प्राकृतिक संपदा के साथ गौ-वंश से समृद्ध है। गौ-माता

में 33 कोटि देवी-देवताओं का वास होता है। हमने वर्ष 2024-25 को गौ-संरक्षण एवं संवर्धन वर्ष के रूप में मनाया। हम पशुपालक किसानों की आय को दोगुना करने के लिए प्रयासरत हैं। देश के दुग्ध उत्पादन का 9 प्रतिशत मध्यप्रदेश में होता है इसे 20 प्रतिशत तक करना हमारा लक्ष्य है। इसके लिए प्रदेश के गांव-गांव में दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत घर-घर जाकर पशुपालकों को पशुओं में नस्ल सुधार, कृत्रिम गर्भाधान, पशुओं के टीकाकरण, स्वास्थ्य रक्षा, संतुलित पशु आहार, पशु पोषण आदि के बारे में तकनीकी और व्यवहारिक जानकारी दी जा रही है। इन सभी प्रयासों से हम मध्यप्रदेश को दुग्ध केपिटल बनायेंगे। मुझे इस बात का संतोष है कि मध्यप्रदेश सरकार गौ-पालन, गौ-संवर्धन के लिए संकल्पित है। हमने गौ-शालाओं के लिए अनुदान को 20 रुपये प्रति गौ-वंश प्रतिदिन से बढ़ाकर 40 रुपये प्रति गौ-वंश प्रतिदिन किया है। गौ-वंश के भरण-पोषण के लिए दो वर्ष पहले बजट 90 करोड़ रुपये था, जिसे 250 करोड़ रुपये किया गया और अब यह राशि बढ़ाकर 600 करोड़ रुपये करने का लक्ष्य है।मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में ग्वालिपर में देश की पहली आधुनिक और आत्मनिर्भर गौ-शाला परिसर में कम्प्रेस्ड बायो गैस संयंत्र की स्थापना की गई है। प्रदेश में नवीन गौ-शालाओं का निर्माण, प्रति गाय अनुदान राशि बढ़ाने, गौ-उत्पादकों को प्रोत्साहन, गोबर से सीएनजी निर्मित करने वाले आधुनिक प्लांट की स्थापना तथा नेशनल डेयरी विकास बोर्ड के साथ करार जैसे नवाचार किये गये है।हमारे लिए खुशी की बात है कि

मध्यप्रदेश में किसानों और पशुपालकों को लाभान्वित करने के लिये 2900 गौ-शालाएं हैं। मुख्यमंत्री गौ-सेवा योजना के अंतर्गत 2203 गौ-शालाओंका संचालन हो रहा है। विगत एक वर्ष में एक हजार से अधिक नवीन गौ-शालाएं प्रारंभ की गई हैं। गौ-वंश के आश्रय एवं भरण-पोषण के लिए नगर पालिक निगम ग्वालिपर, उज्जैन और इंदौर में गौ-शालाएं खोली गई हैं। भोपाल में 69.18 एकड़ भूमि पर 10 हजार गौ-वंश क्षमता की गौ-शाला का निर्माण किया जा रहा है। गौ-अभयारण्य अनुसंधान एवं उत्पादन केन्द्र, सालरिया, जिला आगर-मालवा में वर्तमान में 6500 गौ-वंश का पालन-पोषण किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में गौ-वंश का संवर्धन दुग्ध उत्पादन से रोजगार और स्वरोजगार का बड़ा स्रोत होगा। महिलाओं की आत्मनिर्भरता में भी दुग्ध व्यवसाय का महत्वपूर्ण योगदान है।प्रदेश में जिस तरह खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने के लिये किसानों को प्रोत्साहित किया गया और हमारे किसान भाइयों ने उपज का भंडार भर दिया, उसी तरह दुग्ध उत्पादन करने वाले पशुपालकों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इससे प्रदेश में गौ-वंश पालन बढ़ेगा, कृषि की पारंपरिक व्यवस्था को आधार प्राप्त होगा और प्राकृतिक खेती को स्वस्थता मिलेगा। रसायन रहित पौष्टिक अन्न तथा अन्य वस्तुओं का उत्पादन जहां स्वास्थ्य के लिये लाभदायी होगा, वहीं प्रदेश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक

को नया जीवन मिलेगा। चित्रकूट के विकास के लिए शानदार ब्लूप्रिंट तैयार किया गया है।

इसका क्रियान्वयन होते ही चित्रकूट शानदार धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित हो जाएगा। वैदिक में कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने चित्रकूट के विकास के लिए बनाई गई कार्ययोजना की जानकारी देते हुए बताया कि चित्रकूट में समग्र विकास के लिए 5 हजार करो? की कार्ययोजना तैयार की गई है। इसमें से 2800 करोड़ रुपए के निर्माण कार्य आगामी माह अप्रैल तक पूरे हो जाएंगे। कार्ययोजना में नगर वन निर्माण, ग्राम निर्माण, स?कों के विकास, सौंदर्यीकरण मंदाकिनी नदी की साफ-सफाई तथा घाट निर्माण परिक्रमा पथ के विकास जैसे कार्य शामिल हैं। कार्ययोजना में मझगवां में औद्योगिक इकाइयों और शिक्षण संस्थानों की स्थापना का प्रस्ताव भी है।

प्रदेश सरकार किसानों के

समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लगभग 31 करोड़ रुपए के 30 कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण भी किया।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। सोलर पम्प लगाने पर अब किसानों को केवल प्रोजेक्ट लागत की 10 प्रतिशत राशि ही देना होगी, शेष राशि सरकार द्वारा दी जायेगी। सोलर पम्प लगाने के बाद किसानों को बिजली बिल से मुक्ति मिलेगी। उन्होंने बताया कि किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए किसानों को दुग्ध उत्पादन से जो?ा जा रहा है। देशी गाय पालन पर सरकार द्वारा अनुदान दिया जाएगा। उ?-होंने कहा कि जहरीले रासायनिक खाद एवं दवाइयों की बजाय किसानों को प्राकृतिक एवं जैविक खेती के लिए प्रो?साहित किया

न्यूज गैलरी

एनसीएच पर हर महीने एक लाख से अधिक शिकायतें की जा रही दर्ज

नई दिल्ली। केंद्र के अनुसार, राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) ने उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा और निष्पक्ष व्यावसायिक व्यवहार सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में अपनी पहचान बनाई है। एनसीएच समय पर शिकायतों का निवारण कर उपभोक्ताओं, कंपनियों और अधिकारियों के बीच सहयोग को सुगम बनाता है। साथ ही, एनसीएच टेक्नोलॉजी का लाभ उठाकर व्यक्तियों को लंबी कानूनी प्रक्रियाओं के बिना न्याय पाने में सक्षम बनाता है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, टेक्नोलॉजी का लाभ उठाने से हेल्पलाइन की पहुंच और दक्षता में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। कॉल की संख्या दस गुना से भी अधिक बढ़ गई है। इसी तरह, कन्जैसे पार्टनर की संख्या 2015 में 37,062 से बढ़कर 2025 में 1,70,585 हो गई है। इसी तरह, कन्जैसे पार्टनर की संख्या 2017 में 263 से बढ़कर सितंबर, 2025 तक 1,142 कंपनियों तक पहुंच गई है। इससे समय पर शिकायत निवारण के लिए सहयोगी तंत्र मजबूत हुआ है। कन्जैसे पहल के तहत, कंपनियां स्वैच्छिक और निःशुल्क आधार पर राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन के साथ साझेदारी करती हैं ताकि ग्राहकों की शिकायतों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जा सके। शिकायतें तुरंत भेजी जाती हैं और कंपनियों से 30 दिनों के भीतर जवाब देने की अपेक्षा की जाती है। सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, डिजिटल माध्यमों की शुरुआत के साथ, हेल्पलाइन पर लगभग 65 प्रतिशत उपभोक्ता शिकायतें ऑनलाइन और डिजिटल माध्यमों से दर्ज की जाती हैं। वॉट्सएप के माध्यम से शिकायत पंजीकरण में वृद्धि देखी गई है, जो मार्च 2023 में 3 प्रतिशत से बढ़कर मार्च 2025 में 20 प्रतिशत हो गई है।

चेट जीपीटी ने दिए ‘लकी नंबर’ और महिला ने जीत लिए 88 लाख रुपये

वायनडॉट। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई के कारनामे आए दिन सुर्खियां बटोरते हैं, लेकिन इस बार एआई ने एक महिला की किस्मत ही चमका दी है। अमेरिका में रहने वाली एक 45 वर्षीय महिला ने एआई प्रोग्राम ‘चेटजीपीटी’ से मांगे गए नंबरों पर लॉटरी खेली और 1,00,000 डॉलर (यानी करीब 88 लाख रुपये) की भारी-भरकम रकम जीत ली। मिशिगन लॉटरी अधिकारियों के मुताबिक, 45 वर्षीय टैमी कार्वे ने बताया कि उन्होंने सितंबर में पावरबॉल लॉटरी का टिकट ऑनलाइन खरीदा था। वह आमतौर पर तभी लॉटरी खेलती हैं जब जैकपॉट बहुत बड़ा हो। इस बार जैकपॉट 1 अरब डॉलर (करीब 8300 करोड़ रुपये) से ज्यादा पहुंच गया था, इसलिए उन्होंने अपनी किस्मत आजमाने का फैसला किया। टैमी ने इस अनोखी जीत पर बात करते हुए कहा, मैंने इस बार खुद नंबर चुनने के बजाय ChatGPT से पावरबॉल के लिए कुछ नंबर मांगे और उन्हीं नंबरों को मैंने अपने टिकट पर इस्तेमाल कर लिया।

अमेरिकी नीतियों और वैश्विक तनावों से सोने की मांग में जबरदस्त तेजी

पीली धातु के 2026 तक 1.5 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंचने की संभावना : रिपोर्ट

नई दिल्ली। पिछले धनतेरस के बाद से सोने ने रुपए के संदर्भ में लगभग 63 प्रतिशत और डॉलर के संदर्भ में 53 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। शुक्रवार को आई एक रिपोर्ट के अनुसार, 2026 तक पीली धातु के 1.5 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंचने की संभावना है।वेंचुरा सिक्योरिटीज की रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व, ईटीएफ प्रवाह और केंद्रीय बैंक की खरीदारी से मिले नरम रुख वाले संकेतों के कारण सोने में तेजी आई है।मार्च 2025 से सोने की कीमतें आसमान छू रही हैं, जो 3,000 डॉलर प्रति औंस से बढ़कर लगभग 4,254 डॉलर हो गई हैं। भारत में धनतेरस 2024 को सोने की कीमतें 78,840 रुपए प्रति 10 ग्राम से बढ़कर वर्तमान में 128,200 रुपए हो गई हैं।रिपोर्ट में कहा गया है, धनतेरस 2025 से अगली तेजी की शुरुआत करते हुए, 5000 डॉलर प्रति



औंस या 1,50,000 रुपए प्रति दस ग्राम के अनछूए स्तर 2026 में पहुंच सकता है। वेंचुरा के कमेंडिटीज एंव सीआरएम प्रमुख एन.एस. रमास्वामी ने अमेरिकी श्रम बाजार में बढ़ते

नकारात्मक जोखिमों पर प्रकाश डाला, जिसके कारण दरों में कटौती जरूरी हो गई है।रामास्वामी ने कहा, आर्थिक आंकड़ों (रोजगार और मुद्रास्फीति) में देरी के कारण

ध्यान फेड अध्यक्ष पॉवेल पर है, जिन्होंने संकेत दिया था कि बढ़ते श्रम बाजार जोखिम एक और दर कटौती को उचित ठहराते हैं।उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका को अपने

ऋषा भुगतान की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है और उसका राष्ट्रीय ऋषा बढ़कर 37 ट्रिलियन डॉलर हो गया है। चीन और अमेरिका के बीच व्यापार तनाव बढ़ गया है क्योंकि चीन ने रेशर अर्थ मेटल और मैनेट पर कड़े निर्यात प्रतिबंधों की घोषणा की है, जो इन महत्वपूर्ण संसाधनों के दुनिया के सबसे बड़े सप्लायर हैं। इस बीच, संयुक्त राज्य अमेरिका ने चीनी आयात पर मौजूदा 30 प्रतिशत के अतिरिक्त 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की है, जिससे सोने की मांग में तेजी आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन अनुकूल परिस्थितियों के चलते सोने में लगातार आठ साप्ताहिक बढ़त दर्ज की गई है। सोने की कीमतों में बढ़ोतरी निवेशकों के विश्वास और एफओएमओ की प्रबल भावना को बढ़ावा दे रही है, क्योंकि हर गिरावट का सामना आक्रामक खरीदारी से हो रहा है।

दिल्ली-एनसीआर की हिस्सेदारी सबसे अधिक 11.7 मिलियन वर्गफुट रही

भारत का औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स रियल एस्टेट क्षेत्र 2025 के पहले 9 महीनों में 28 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली।औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स (आईएडब्लू) रियल एस्टेट क्षेत्र द्वारा लीजिंग 2025 के पहले नौ महीनों में सालाना आधार पर 28 प्रतिशत बढ़ी है।

यह जानकारी शुक्रवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई। वैश्विक वाणिज्यिक रियल एस्टेट और निवेश फर्म सीबीआरई ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि समीक्षा अवधि के दौरान, शीर्ष आठ भारतीय शहरों - दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरु, मुंबई, हैदराबाद, चेन्नई, पुणे, कोलकाता और अहमदाबाद - में कुल लीजिंग 37 मिलियन वर्ग फुट रही, जबकि पिछले साल यह 28.8 मिलियन वर्ग फुट थी। रिपोर्ट में कहा गया कि इस साल के पहले 9 महीनों के दौरान कुल लीजिंग गतिविधि में दिल्ली-एनसीआर की हिस्सेदारी सबसे अधिक 11.7 मिलियन वर्ग फुट रही, इसके बाद बेंगलुरु 5.7 मिलियन वर्ग फुट के साथ दूसरे और हैदराबाद 4.6 मिलियन वर्ग



फुट के साथ तीसरे स्थान पर था। कुल लीजिंग में इन तीनों शहरों की कुल हिस्सेदारी 59 प्रतिशत रही। मुंबई और कोलकाता क्रमशः 4.2 मिलियन वर्ग फुट और 3.8 मिलियन वर्ग फुट लीजिंग के साथ चौथे और

पांचवे स्थान पर थे।सीबीआरई के अध्यक्ष और सीईओ (भारत, दक्षिण-पूर्व एशिया, मध्य पूर्व और अफ्रीका) अंशुमान मैगजीन ने कहा, यह मांग मुख्य रूप से थर्ड-पार्टी लॉजिस्टिक्स (3पीएल) प्रदाताओं के विस्तार और

दिवाली पर पीएनबी ने दी बड़ी राहत

लेकिन साथ ही लागू कर दी शर्त जानना है बेहद जरूरी

नई दिल्ली। अगर आप पंजाब नेशनल बैंक के ग्राहक हैं और बैंक लॉकर का इस्तेमाल करते हैं, तो यह खबर आपके लिए बेहद जरूरी है। दिवाली से ठीक पहले,पीएनबी ने अपने ग्राहकों को बड़ी राहत देते हुए लॉकर के किराए में भारी कटौती का ऐलान किया है। बैंक द्वारा जारी नोटिस के अनुसार, नई दरें 16 अक्टूबर, 2025 को घोषित की गई हैं और ये 30 दिनों के बाद लागू हो जाएंगी। इसका मतलब है कि नवंबर के मध्य से ग्राहकों को अपने लॉकर के लिए पहले से कम किराया देना होगा। पीएनबी ने यह सुनिश्चित किया है कि इस कटौती का लाभ हर वर्ग के ग्राहकों तक पहुंचे, इसलिए किराए में यह कमी ग्रामीण, अर्ध-शहरी (सेमी-अर्बन) और शहरी सभी क्षेत्रों में लागू की गई है।

नई दरों के तहत, ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे लॉकर का किराया 1000 से घटाकर 750 और मीडियम लॉकर का किराया 2500 से घटाकर 1900 कर दिया गया है। इसी तरह, अर्ध-शहरी क्षेत्रों में छोटे लॉकर का किराया अब 1500 की बजाय 1150 और मीडियम लॉकर का किराया 3000 की जगह 2250 होगा। शहरी और

मेट्रो शहरों के ग्राहकों को भी बड़ी राहत देते हुए, छोटे लॉकर का किराया 2000 से घटाकर 1500, जबकि मीडियम लॉकर का किराया 4000 से घटाकर 3000 कर दिया गया है। बैंक ने ग्राहकों की सुविधा के लिए एक और बड़ा बदलाव किया है। अब ग्राहकों को एक वित्तीय वर्ष में 12 बार लॉकर खोलने की सुविधा बिल्कुल मुफ्त दी जाएगी। यदि कोई ग्राहक साल में 12 से ज्यादा बार लॉकर का उपयोग करता है, तो उसे हर अतिरिक्त विजिट पर 100 का शुल्क देना होगा।

नए लॉकर जारी करते समय ग्राहकों से इस शर्त पर लिखित सहमति भी ली जाएगी। पीएनबी ने यह भी स्पष्ट किया है कि कुछ विशेष परिस्थितियों में बैंक को लॉकर तोड़ने का अधिकार होगा। यह कार्रवाई तब की जा सकती है जब ग्राहक की चार्बी खो जाए और वह खुद लॉकर खुलवाने का अनुरोध करे। इसके अलावा, किसी सकार्य या प्रवर्तन एजेंसी द्वारा अदालत के आदेश पर भी लॉकर को खोला जा सकता है। साथ ही, यदि कोई ग्राहक नियमों का पालन नहीं करता है या लंबे समय तक बैंक के संपर्क में नहीं रहता है, तो भी बैंक को नोटिस प्रक्रिया पूरी करने के बाद लॉकर तोड़ने का अधिकार होगा।

खेल, मनोरंजन

फीफा रैंकिंग में भारत 136वें स्थान पर खिसका, स्पेन शीर्ष पर

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय फुटबॉल टीम का निराशाजनक प्रदर्शन जारी है। पुरुष सीनियर राष्ट्रीय टीम फीफा विश्व रैंकिंग में 136वें स्थान पर खिसक गई है। नवंबर 2016 के बाद से भारतीय टीम का यह सबसे निचला स्थान है। शुक्रवार को जारी नई रैंकिंग ने भारतीय टीम की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।

भारतीय टीम 2026 फीफा विश्व कप और 2027 एएफसी एशियाई कप दोनों की दौड़ से बाहर हो गई है। इंटरकांटिनेंटल कप, सैफ चैंपियनशिप और ट्राई-नेशन सीरीज में 2023 की जीत के बाद एक उभरती हुई टीम के रूप में देखी जाने वाली भारत की किस्मत पिछले एक साल में तेजी से गिरी है। इस साल



की शुरुआत में कतर में हुए एएफसी एशियन कप में भारत का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। ग्रुप चरण में तीन हार के साथ बिन एक भी गोल किए टीम बाहर हो गई। इसके बाद से टीम संघर्ष करती रही

है। दो साल से कम समय में तीन मुख्य कोच बदल चुके हैं। सबसे पहले इगोर स्टिमेक को बाहर का रास्ता दिखाया गया, उनके बाद मनोलो मार्केज आए। इस साल की शुरुआत में खालिद जमील को जगह

दी गई। जमील के नेतृत्व में प्राति की झलकियां दिखाई देने के बावजूद, विशेष रूप से सीएफएफ नेशंस कप के दौरान, एक मैत्रीपूर्ण टूर्नामेंट जहां भारत ने रणनीतिक सुधार दिखाया, प्रतिस्पर्धी मुकामलों

में परिणाम निराशाजनक रहे हैं। टीम की किसी प्रतिस्पर्धी मैच में आखिरी जीत लगभग एक साल पहले नवंबर 2023 में कुवैत पर 1-0 की जीत के साथ हुई थी।

वैश्विक स्तर पर स्पेन ने फीफा पुरुष रैंकिंग में शीर्ष स्थान बरकरार रखा है, जो विश्व कप विजेता अर्जेंटीना और तीसरे स्थान पर मौजूद फ्रांस से आगे है। इंग्लैंड, पुर्तगाल, नीदरलैंड, ब्राजील और बेल्जियम शीर्ष आठ में शामिल हैं। लक्जमबर्ग और उत्तरी आयरलैंड पर लगातार कालीफाईज जीत के बाद जर्मनी दो स्थान ऊपर चढ़कर 10वें स्थान पर पहुंच गया, जबकि 2018 विश्व कप उपविजेता क्रोएशिया चेक गणराज्य के खिलाफ ड्रों के बाद 11वें स्थान पर खिसक गया।

विश्व जूनियर चैंपियनशिप : तन्वी शर्मा 17 साल में पदक पक़्का करने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं

गुवाहाटी। तन्वी शर्मा 17 साल में 2025 बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप में पदक पक़्का करने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बन गईं। उन्होंने नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में जापान की साकी मात्सुमोतो को हराकर लड़कियों के एकल सेमीफाइनल में प्रवेश किया। 16 वर्षीय तन्वी ने दबाव में भी अपना संयम बनाए रखा और अपनी त्रॉस-कोर्टे स्लाइड हिट्स से विजयी गोल दागे और 47 मिनट तक चले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में मात्सुमोतो को 13-15, 15-9, 15-10 से हराया। इस क्वार्टर फाइनल ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। विश्व जूनियर पदक जीतने वाली आखिरी भारतीय महिला



खिलाड़ी साइना नेहवाल थीं, जिन्होंने 2008 में पुणे में हुए टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता था। साइना, जिन्होंने 2006 में रजत पदक जीता था, और अरणाा पोपट (1996 रजत) प्रतिযোগिता के इतिहास में पोलिडम पर पहुंचने वाली एकमात्र अन्य भारतीय महिला खिलाड़ी हैं।शीर्ष वरीयता प्राप्त तन्वी, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में बैडमिंटन एशिया जूनियर

चैंपियनशिप में कांस्य पदक भी जीता था, ने आक्रामक शुरुआत की और ऐसा लग रहा था कि वह नियंत्रण में हैं क्योंकि उन्होंने 10-6 की बढ़त बना ली थी। लेकिन गलतियों की झड़ी ने मात्सुमोतो को वापसी करने का मौका दिया और जापानी खिलाड़ी ने लगातार सात अंक जीतकर बढ़त बना ली। भारतीय खिलाड़ी ने बढ़त तो बना ली, लेकिन गेम हारने से नहीं बच सकी।यूपएस ओपन की फाइनलस्ट दूसरे गेम में अपने शॉट चयन को लेकर ज्यादा सहज थीं और उन्होंने 15-9 से जीत हासिल की। हालांकि, तीसरे गेम की शुरुआत में गलतियों ने उन्हें एक बार फिर पीछे धकेल दिया और उन्हें मुकाबला गंवाना पड़ा।

शॉटगन शूटिंग : जोरावर ने एथेंस विश्व चैंपियनशिप में पुरुषों की ट्रैप स्पर्धा का कांस्य पदक जीता

नई दिल्ली। जोरावर सिंह संधू ने 48 साल की उम्र में अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) विश्व चैंपियनशिप शॉटगन 2025 में पुरुषों की ट्रैप स्पर्धा का कांस्य पदक जीता। संधू ने ये खिताब अपना पहला सीनियर विश्व खिताब जीतने के 27 साल बाद जीता है। शुक्रवार को ग्रीस के एथेंस स्थित मलाकासा शूटिंग रेंज में निशानेबाजी करते हुए भारतीय निशानेबाज ने बारिश, परछाईं और सबसे अनुपयुक्त बिंब नंबर को पार करते हुए 50 शॉट के फाइनल में पहले 40 में से 31 निशाने साधे। वह पूर्व ओलंपिक चैंपियन और अब विश्व चैंपियन क्रोएशिया के जोरावर ग्लासनोविक (जिन्होंने 44 हिट के साथ स्वर्ण पदक जीता) और जूनियर

विश्व चैंपियन स्पेन के एंड्रेस गार्सिया (जिन्होंने 39 का स्कोर के साथ रजत पदक जीता) से पीछे रहे। मुक़ाबले के बाद जोरावर संधू ने कहा, यह एक शानदार अनुभव था। शूटिंग के लिए यह एक कठिन रेंज और कठिन परिस्थितियां थीं, लेकिन इसी वजह से हम यहां हैं। मैं अपने परिवार, अपने कोचों और टीम के साथियों को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के अध्यक्ष, कलिकेश नारायण सिंह देव ने परिणाम आने के बाद कहा, यह भारतीय निशानेबाजी के लिए एक और ऐतिहासिक क्षण है, जिसमें जोरावर ने हमें ट्रैप में केवल दूसरा व्यक्तिगत विश्व चैंपियनशिप पदक जीतने में मदद की।

सोनम खान ने मिथुन चक्रवर्ती के साथ शेयर की पुरानी यादें

अभिनेत्री सोनम खान भले ही अब सिल्वर स्क्रीन पर कम नजर आती हैं, लेकिन वह सोशल मीडिया के जरिए यादों को शेयर करती रहती हैं। उन्होंने शुक्रवार को मिथुन चक्रवर्ती संग तस्वीर पोस्ट कर उनके साथ स्क्रीन शेयर करने के अपने अनुभव बताए। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अभिनेता के साथ तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उन्होंने अभिनेता के व्यवहार की तारीफ करते हुए कैप्शन में लिखा, मिथुन न केवल एक सुपरस्टार बल्कि नेक दिलवाले इंसान हैं।

सोनम ने लिखा कि उनके करियर की शुरुआत में मिथुन के साथ एक फिल्म साइन करना उनके लिए बहुत बड़ी उपलब्धि थी। उन्होंने लिखा, मिथुन सर के साथ फिल्म साइन करने से पहले मेरी फिल्म रिलीज भी नहीं हुई थी और मैं उस समय इंडस्ट्री में नई थी। मेरे लिए यह बहुत बड़ी बात थी क्योंकि मैं एकदम नई थी। सर की दयालुता की वजह से मुझे किसी ऑडिशन की भी जरूरत नहीं पड़ी। सोनम ने बताया कि वह मिथुन के साथ काम करने से पहले काफी नर्वस थीं, क्योंकि वह बचपन से उनकी फिल्में देखकर बड़ी हुई हैं। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि उन्हें मिथुन पर हल्का-सा ऋष



था, जिससे उनकी घबराहट और बढ़ जाती थी। सोनम ने मिथुन की सादगी और उदारता की तारीफ करते हुए कहा कि उनका व्यवहार हमेशा दूसरों से अलग रहा है। सालों बाद कोयंबटूर हवाई अड्डे पर मिथुन से मुलाकात हुई, जब दोनों उठी जा रहे थे। मिथुन ने उन्हें अपने होटल द मोनार्क में सात कोर्स वाला लंच ऑफर किया। सोनम ने कहा कि मिथुन आज भी उतने ही विमन और सज्जन हैं, जितने वज उनके करियर के शुरुआती दिनों में थे। सोनम ने मिथुन को एक ऐसे सुपरस्टार के रूप में याद किया, जिनका दिल सोने जैसा है। अभिनेत्री सोनम खान और मिथुन चक्रवर्ती ने मिलकर तीन फिल्मों में काम किया है।

रिलीज हुआ तेरे इश्क में का टाइटल सॉन्ग

साउथ के सुपरस्टार धनुष और कृति सेनन स्टारर फिल्म तेरे इश्क में टीजर के रिलीज के बाद से ही ख़ाई हुई है। फिल्म का टीजर इतना जबरदस्त है कि फिल्म के रिलीज का फैस इंतजार नहीं कर रहे हैं। फिल्म 28 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, लेकिन फिल्म का ट्रेलर अभी तक रिलीज नहीं हुआ है। फिल्म के बज के बीच फिल्म का पहला गाना वीडियो के साथ रिलीज कर दिया गया है। तेरे इश्क में फिल्म का पहला गाना तेरे इश्क में का टाइटल ट्रैक रिलीज कर दिया गया है। गाने में जहां धनुष अपने टूटे दिल और प्यार के जुनून को कृति के सामने रखते हैं, वहीं कृति का भी अलग रूप देखने को मिला है। फिल्म के टीजर में सिर्फ धनुष का जुनूनी अवतार देखने को मिला था, लेकिन नए गाने में कृति भी इश्क में धोखा खाई लड़की की तरह शराब का सहारा लेती दिख रही हैं। गाने में कृति शराब के नशे में चूर हैं तो धनुष एक्शन मोड में हैं। गाने के लिрикस् भी दिल को छू जाने वाले हैं, गाने में फुल इमोशन और टूटे दिल की तड़प दिख रही हैं। बता दें कि टाइटल ट्रैक के लिрикस् इरशाद कामिल ने लिखे हैं और अरिजीत सिंह ने अपनी आवाज से गाने में जादू डाल दिया है।गाने को कुछ देर पहले ही रिलीज किया गया है और गाना सोशल मीडिया पर छा गया है। फैस गाने से रिलेट कर रहे हैं और अपने टूटे दिल की कहानी बता रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, +कृति और धनुष में प्यार के कुछ ज्यादा ही रंग दिखा रहे हैं। मैं तो इस फिल्म का दीवाना हो गया हूं!-एक दूसरे यूजर ने लिखा, गाने का एक-एक लिрикस् गुजबंज लाने वाला है और अरिजीत सिंह की आवाज ने दिल जीत लिया।फिल्म में तेरे इश्क में धनुष और कृति सेनन के अलावा माहिर मोहिउद्दीन और सुशील दहिया जैसे एक्टर भी देखने को मिलेंगे। फिल्म में निर्देशन आनंद एल राय ने किया है और फिल्म 28 नवंबर को अलग-अलग भाषाओं में रिलीज होगी। फिल्में तमिल और हिंदी में रिलीज की जाएगी। फिल्म की कहानी हिमांशु शर्मा और नीरज यादव ने लिखी है।फिल्म के टीजर की बात करें तो टीजर में धनुष का अवतार जुनून और प्यार में धोखा खाए तड़पते आशिक जैसा है।



न्यूज गैलरी

अब जबलपुर की सड़कों पर दौड़ेगी करोड़ों की अल्ट्रा लगजरी इलेक्ट्रिक ईवी सिर्फ 4.4 सेकंड में पकड़ती है 0 से 100 किलोमीटर की रफ्तार



जबलपुर/नवप्रदेश। भेड़ाघाट का गौरव- स्वामी श्रीला प्रेम पारस बने मध्यप्रदेश के पहले मर्सिडीज मायबैक कार के स्वामी, देती है। साइलेंट और स्मूद लगजरी ड्राइव ओशो की नगरी भेड़ाघाट एक बार फिर चर्चा में है। ओशो होम आश्रम के संस्थापक स्वामी श्रीला प्रेम पारस ने मध्यप्रदेश की पहली मर्सिडीज मायबैक कार खरीदकर एक नया इतिहास रचा है। करोड़ों की कीमत वाली यह कार अब जबलपुर की सड़कों पर नजर आएगी। अनुयायियों का कहना है कि यह सिर्फ एक कार नहीं, बल्कि स्वामी जी की जीवन-यात्रा, समर्पण और उपलब्धियों का प्रतीक है। साधारण जीवन से शुरू होकर भेड़ाघाट को आध्यात्मिक मानचित्र पर स्थापित करने करने का कार्य उन्होंने किया है। लोग मानते हैं कि स्वामी प्रेम पारस न केवल अध्यात्मिक पथ के साधक हैं, बल्कि आधुनिकता और परंपरा के संगम का जीवंत उदाहरण भी हैं। स्वामी श्रीला प्रेम पारस ने बताया कि मर्सिडीज-मेबैक श्वत्स 680 एक अल्ट्रा लगजरी इलेक्ट्रिक स्डू है, जिसे 2025 में भारत में लॉन्च किया गया। यह मेबैक ब्रांड की पहली ऑल-इलेक्ट्रिक कार है और इसमें लक्जरी, परफॉर्मेंस और टेक्नोलॉजी का शानदार संगम दिखता है। इसकी टॉप स्पीड 210 km/h है और यह 0 से 100 km/h की रफ्तार सिर्फ 4.4 सेकंड में पकड़ लेती है, यानी यह एक परफॉर्मेंस कार भी है, जो साइलेंट और स्मूद लक्जरी ड्राइव भी देती है।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने प्रदेशवासियों को दी दीपावली की शुभकामनाएं

भोपाल/नवप्रदेश। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने प्रदेशवासियों को दीपावली की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि प्रकाश का यह पर्व अधिकार पर प्रकाश, असत्य पर सत्य और अन्याय पर न्याय की विजय का प्रतीक है। दीपावली का उत्सव हम सभी के जीवन में नया उत्साह और नई ऊर्जा लेकर आता है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा है कि इस दिन प्रभु श्रीराम की अयोध्या वापसी पर पूरी अयोध्या दीपों की पंक्तियों से आलोकित हुई थी।

जीएनएम और एएनएम कोर्स में बायोलॉजी की अनिवार्यता खत्म

अब बिना बायो वाले स्टूडेंट भी बन सकेंगे नर्स

छात्रों के लिए खुला रास्ता

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश नर्सिंग रजिस्ट्रेशन काउंसिल के निर्णय को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि राज्य में जीएनएम (जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी) और एएनएम (ऑक्सीलरी नर्सिंग एंड मिडवाइफरी) कोर्स में अब प्रवेश इंडियन नर्सिंग काउंसिल (आईएनसी) के नियमों के अनुसार ही होगा।

आईएनसी के नियमों के मुताबिक, किसी भी सनजेक्ट से 12वीं पास छात्र इन कोर्सों के लिए पात्र हैं। लेकिन मध्यप्रदेश नर्सिंग रजिस्ट्रेशन काउंसिल ने मनमाने ढंग से बायोलॉजी विषय को अनिवार्य कर दिया था। जिससे कला और वाणिज्य संकाय के हजारों छात्र प्रवेश से वंचित हो रहे थे।



आईएनसी के दिशानिर्देशों का पालन किया अनिवार्य

मध्यप्रदेश प्राइवेट नर्सिंग

कॉलेज एसोसिएशन द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने कहा कि यह निर्णय छात्रों के साथ अन्यायपूर्ण था।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि अब राज्य को दृष्टि के दिशानिर्देशों का ही पालन करना होगा।

अक्टूबर में मिला-जुला मौसम, नवंबर से तेज ठंड: एमपी के दक्षिणी हिस्से में हल्की बारिश के आसार

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश में अक्टूबर महीने में मौसम का मिला-जुला असर है। रात व सुबह हल्की ठंड है तो दिन में धूप का असर। मौसम विभाग की माने तो अक्टूबर में ऐसा ही मौसम रहेगा, लेकिन नवंबर के दूसरे सप्ताह से तेज ठंड का दौर शुरू हो जाएगा।

इससे पहले शनिवार को मौसम का मिजाज बदला रहा। भोपाल में दिनभर बादल छाए रहे। इस वजह से दिन के तापमान में गिरावट देखी गई। वहीं, इंदौर, खंडवा में तेज बारिश हुई। उज्जैन समेत प्रदेश के कई शहरों में भी ऐसा ही मौसम रहा। मौसम विभाग के अनुसार, 20 अक्टूबर को हल्की बूंदाबांदी शुरू हो जाएगी।

21 अक्टूबर से दक्षिणी हिस्से के ज्यादातर जिलों में हल्की बारिश का दौर शुरू हो सकता है। इसमें मुख्य रूप से अनूपपुर, डिंडौरी, बैतूल, मंडला, खंडवा आदि जिले शामिल हैं।

इन जिलों में असर

मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने बताया कि 20, 21 और 22 अक्टूबर को बैतूल, नर्मदापुरम, खंडवा, हरदा, बुरहानपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पाण्डुरंगा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी और अनूपपुर जिलों में कहीं-कहीं हल्की बारिश, गरज-चमक की स्थिति बनी रहेगी। 21 से पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में एक पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव पड़ने की संभावना भी है।

रात में पारे में बढ़ोतरी

इधर, हवा की दिशा बदलने से रात के तापमान में बढ़ोतरी हुई है। शुक्रवार-शनिवार की रात में ज्यादातर शहरों में पारा 20 डिग्री से अधिक रहा। रीवा ही ऐसा शहर है, जहां पारा 15 डिग्री के आसपास है। दूसरी ओर, दिन के तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिली है। उज्जैन,



इंदौर, ग्वालियर, खजुराहो में पारा 33 से 34 डिग्री के बीच चल रहा है।

नवंबर-जनवरी में पड़ेगी कड़ाके की सर्दी

मौसम विभाग के अनुसार, नवंबर से कड़ाके की ठंड का दौर शुरू हो जाता है, जो

ऐसी नीतियां लागू की गई हैं, जिनसे औद्योगिक माहौल निवेशकों के लिए और अधिक अनुकूल बना है। मोहासा-बाबई औद्योगिक क्षेत्र के फेज-1 में 884 एकड़ भूमि पर 22 इकाइयों को 514.50 एकड़ भूमि आवंटित की गई है। यहां 17,750 करोड़ रुपये का निवेश अ नै र 21,777 लोगों के लिए रोजगार के अवसर प्रस्तावित हुए हैं। यू एनजी, लेण्डसमिल ग्रीन एनर्जी, रेंज कंपनियों ने अपने भूखण्डों पर निर्माण कार्य आरंभ कर दिया है। फेज-1 की सफलता ने राज्य शासन को अगले विस्तार के लिए मजबूत आधार दिया और इसी क्रम में फेज-2 का विकास प्रारंभ हुआ। फेज-2 में 9 इकाइयों को 551 एकड़ भूमि आवंटित फेज-2 में कुल 9 इकाइयों को 551 एकड़ भूमि आवंटित की गई है। इसमें 7



इकाइयाँ विद्युत एवं नवीकरणीय ऊर्जा उपकरण विनिर्माण क्षेत्र में और 2 इकाइयाँ औद्योगिक क्षेत्र मोहासा-बाबई के अंतर्गत स्थापित होंगी। इन इकाइयों में कुल 39,210.55 करोड़ रुपये का निवेश और 14,777 लोगों के लिए रोजगार है। इसमें सातविक सोलर इंडस्ट्रीज प्रा.लि. द्वारा 10,000 करोड़ रुपये के निवेश से 2,500 रोजगार और 185 एकड़ भूमि का उपयोग किया जा रहा है। ग्रेव पीवी प्रा.लि. द्वारा 5,533 करोड़ रुपये का निवेश, 1,320 रोजगार और 65 एकड़ भूमि, कॉस्मिक पीवी पावर लि. द्वारा 4,000 करोड़ रुपये का निवेश, 1,000 रोजगार और 60 एकड़ भूमि, गौतम सोलर पावर प्रा.लि. द्वारा 4,000 करोड़ रुपये का निवेश, 4,000 रोजगार और 40 एकड़ भूमि, ग्रेव एनर्जी प्रा.लि. द्वारा 3,997.85 करोड़ रुपये का निवेश, 1,657 रोजगार और 64 एकड़ भूमि, इंटीग्रेटेड बैटरिज इंडिया प्रा.लि. द्वारा 3,381 करोड़ रुपये का निवेश, 1,000 रोजगार और 40 एकड़ भूमि तथा एचईटीआईएफ् ग्रैन एनर्जी प्रा.लि. द्वारा 3,298.7 करोड़ रुपये का निवेश, 2,050 रोजगार और 52 एकड़ भूमि शामिल है। वहीं औद्योगिक क्षेत्र मोहासा-बाबई फेज-2 में ओरियाना पावर लि. द्वारा 4,500 करोड़ रुपये का निवेश, 1,000 रोजगार और 30 एकड़ भूमि, तथा एलेनबेरी

दिवाली से पहले ही दमघोंटू हुई हवा

भोपाल-ग्वालियर-इंदौर समेत कई शहरों की वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में

भोपाल/नवप्रदेश। प्रदेश के लगभग सभी प्रमुख शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) खराब और बहुत खराब की श्रेणियों में पहुंच चुका है। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन जैसे शहरों में प्रदूषण स्तर लगातार बढ़ रहा है। एमपी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, ग्वालियर का एक्यूआई 300 से ऊपर पहुंच गया है, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में आता है। दीपावली से एक दिन पहले ही मध्य प्रदेश के बड़े शहरों की हवा में ज़हर घुलने लगा है। प्रदेश के



लगभग सभी प्रमुख शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) खराब और बहुत खराब की श्रेणियों में पहुंच चुका है। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन जैसे शहरों में प्रदूषण स्तर लगातार बढ़ रहा है। विशेषज्ञों की मानें तो अगर पटाखों और धुएं पर नियंत्रण नहीं किया गया, तो दीपावली की रात हालत और बिगड़ सकते हैं। प्रदेश की राजधानी भोपाल में रविवार को

औसत AQI 114 दर्ज किया गया, जो खराब श्रेणी में आता है। टीटी नगर और भेल जैसे इलाकों में प्रदूषण का स्तर अधिक पाया गया। हवा में सूक्ष्म कण (PM2.5 और PM10) बढ़ रहे हैं, जो सांस और दिल के रोगियों के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं। एमपी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, ग्वालियर का AQI 300 से ऊपर पहुंच गया है, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है। यहां धूल और धातुओं से निकलने वाला धुआं बड़ी वजह है। दीपावली के दिन यह आंकड़ा 400 के पार जा सकता है, जो गंभीर स्वास्थ्य संकट की चेतावनी है। इंदौर, जो बेहतर हवा के लिए जाना जाता है,

वहां भी हालत तेजी से बदल रहे हैं। रविवार को AQI 100 के पार पहुंच गया, और लगातार बढ़ रहा है। नगर निगम के अफसरों ने भी माना है कि दीपावली की रात शहर की हवा काफी ज्यादा प्रदूषित हो सकती है। एम्स भोपाल डॉक्टरों ने पहले ही चेतावनी जारी की है कि पटाखों के धुएं से आंख, त्वचा, और फेफड़ों पर गंभीर असर हो सकता है। लोहार के समय वायु प्रदूषण के बढ़ने से आंखों में जलन, सांस लेने में तकलीफ, सीने में दर्द और बच्चों में खांसी की शिकायतें बढ़ जाती हैं। हृदय और अस्थमा रोगी विशेष सावधानी बरतें।

निकायों की मतदाता सूची के लिए अब

24 अक्टूबर तक लिए जाएंगे दावे आपत्ति

मध्य प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत एवं नगरीय निकायों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी किया गया है। अब दावे और आपत्तियां 24 अक्टूबर तक स्वीकार की जाएगी, जबकि अंतिम प्रकाशन 21 नवंबर को किया जाएगा।



किया जा रहा है। फोटोयुक्त मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन पहले 13 नवंबर को होना था। अब 21 नवम्बर 2025 को होगा। फोटोयुक्त प्रारूप मतदाता सूची का विहित स्थानों पर सार्वजनिक प्रकाशन 8 अक्टूबर 2025 को किया जा चुका है। प्रारूप मतदाता सूची के संबंध में अब 24 अक्टूबर तक दावे आपत्ति लिए जाएंगे। पहले 8 से 17 अक्टूबर तक दावे-आपत्ति लिये जाने थे। दावे-आपत्तियों का निराकरण 4 नवंबर 2025 तक किया जाएगा। फोटोयुक्त अंतिम मतदाता सूची का विहित स्थानों पर सार्वजनिक प्रकाशन 21 नवम्बर 2025 को किया जाएगा। इस संबंध में विस्तृत निर्देश कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को जारी कर दिये गये हैं।

भोपाल/नवप्रदेश। मध्य प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग ने त्रिस्तरीय पंचायत एवं नगरीय निकायों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण का संबोधित कार्यक्रम जारी किया। अब मतदाता सूची से संबंधित दावें और आपत्तियां 24 अक्टूबर तक स्वीकार की जाएगी, जबकि फोटोयुक्त मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 21 नवंबर को होगा। राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव दीपक सिंह ने जानकारी दी है कि त्रिस्तरीय पंचायत एवं नगरीय निकायों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण का संशोधित कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। पुनरीक्षण 1 जनवरी 2025 की संदर्भ तारीख के आधार पर

पूरे एमपी से विदा हो चुका है मानसून

मौसम विभाग के अनुसार, पूरे प्रदेश से मानसून विदा हो गया है। इस साल मानसून 3 महीने 28 दिन एक्टिव रहा। 16 जून को प्रदेश में मानसून की एंट्री हुई थी और 13 अक्टूबर को वापसी की। बावजूद बारिश का दौर बना रहेगा। इस बार प्रदेश में मानसून की हेमपी एंटीडॉर रही। भोपाल, ग्वालियर समेत 73 जिले ऐसे हैं जहां बहुत ज्यादा बारिश दर्ज की गई। ओवरऑल सबसे ज्यादा बारिश वाला जिला गुना है। जहां पूरे सीजन 65.7 इंच पानी गिर गया, जबकि श्योपुर में 216.3अं बारिश हुई। एक्सपर्ट की माने तो अच्छी बारिश होने से न सिर्फ पेयजल बल्कि सिंचाई के लिए भी भरपूर

पानी है। भू-जल स्तर भी बढ़ा रहेगा। हालांकि, शाजापुर ऐसा जिला है, जहां सबसे कम 28.9 इंच (81.1प्रतिशत) ही बारिश हुई है। मानसूनी सीजन में मौसम विभाग ने प्रदेश में 106 प्रतिशत बारिश होने का अनुमान जताया था, लेकिन 15 प्रतिशत पानी ज्यादा गिर गया। ग्वालियर-चंबल संभाग के जिलों में दोगुनी बारिश हो गई। इंदौर, ग्वालियर, चंबल, जबलपुर, रीवा, शहडोल, सागर संभाग के 50 जिलों में कोटा फुल रहा। वहीं, भोपाल, उज्जैन और नर्मदापुरम संभाग के 4 जिले- उज्जैन, शाजापुर, बैतूल और सीहोर में 81.1 से 98.6 प्रतिशत बारिश हुई। इन जिलों में कोटा पूरा नहीं हो पाया। हालांकि, इनमें से तीन जिले- उज्जैन, सीहोर और बैतूल में आंकड़ा 94 प्रतिशत से ज्यादा ही है। इस वजह से ये सामान्य बारिश के आसपास ही है, लेकिन शाजापुर बारिश की भारी कमी की कैटेगरी में है। यहां कोटे का 81 प्रतिशत पानी ही गिरा।